RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 244 , शनिवार, 17 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com





ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में सजी दुर्गा माता की चैतन्य झांकी, बीके मीणा दीदी सम्मानित... 03

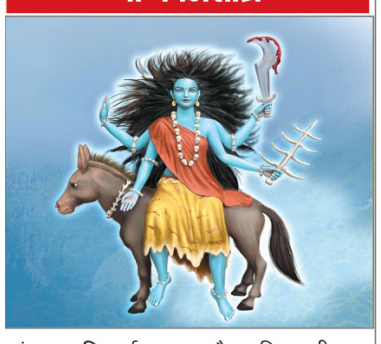


घोड़ासहन स्टेशन पर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल प्लेटफॉर्म के 100 मीटर हिस्स... 04

जेलर 2 पर विद्या बालन बोलीं तड़का सबने लगाया पर असली जायका तो... 07

सप्तम दिन

मां कालरात्रि



मां कालरात्रि दुर्गा का उग्र और शक्तिशाली स्वरूप हैं। उनका स्वरूप अज्ञान, भय और दुष्ट शक्तियों के विनाश का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता है कि वे अपने भक्तों की रक्षा करती हैं और उन्हें निर्भय बनाती हैं। सप्तमी के दिन इनकी पूजा विशेष रूप से की जाती है। इन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है।

संसद का स्पेशल सेशन बुलाने की तैयारी में है मोदी सरकार!

लोकसभा सीटें बढ़ाने और परिसीमन बिल पेश करने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जारी विरोध के बीच सरकार इस महीने के आखिर में संसद का एक विशेष सत्र बुला सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संसद के इस विशेष सत्र को बुलाने के पीछे की वजह परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े बिलों को फिर से संसद के सामने पेश करके पास कराना है। सदन में मौजूद



सांसदों की संख्या को लेकर सरकार को पूरा भरोसा है कि इस बार महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल को पास कराया जा सकता है। बजट सत्र के दौरान 17 अप्रैल को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने के लिए लाया गया संविधान संशोधन बिल (जिसमें परिसीमन भी शामिल था) निचले सदन में पास नहीं हो सका था।

बिल पास कराने के लिए सरकार का नंबर गेम

संविधान संशोधन के लिए संसद में बहुमत की जरूरत होती है। इसका मतलब है कि दोनों सदनों में मौजूद और वोट देने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए। सरकार को ये बिल पास कराने के लिए 360 सीटों की जरूरत है। लोकसभा की मौजूदा संख्या 540 है। तृणमूल और शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों के सत्ता पक्ष में शामिल होने से इस बार सदन में स्थिति बदल सकती है। मौजूदा संसद में एनडीए के पास बहुमत तो है, लेकिन उनके पास वह जादुई आंकड़ा (दो-तिहाई बहुमत) नहीं है। हालांकि, पिछले सत्र के मुकाबले सरकार की स्थिति बेहतर हुई है।

अबकी मैसूर में 61 साल के हाथी अभिमन्यु का यह आखिरी दशहरा

- 26 साल तक 750 किलो सोने का हौदा उठाकर चला, पिछले साल रिटायर हो चुका

मैसूर (एजेंसी)। विश्वप्रसिद्ध मैसूर दशहरा में इस बार 'जंबो सवारी' में 61 साल का हाथी 'अभिमन्यु' आखिरी बार नजर आएगा। अभिमन्यु 26 साल से शाही यात्रा का हिस्सा रहा है। वह 2000 से लगातार 750 किलो का सोने का हौदा उठाकर मां चामुंडेश्वरी यात्रा की अगुवाई करता आया है। डीसीएफ डॉ. आईबी प्रभु गौड़ा बताते हैं कि नियमों के अनुरूप अभिमन्यु पिछले साल रिटायर हो चुका है। मैसूर के लोगों के आग्रह पर उसे विदाई जुलूस की अगुवाई की अनुमति दी है। इसलिए अभिमन्यु को लेकर पैलेस के साथ पूरा मैसूर भावुक है। इसके बाद



उसे मथिगोडु हाथी शिविर भेज देंगे। इस बीच, 21 अक्टूबर तक चलने वाले मैसूर दशहरा उत्सव के समापन समारोह के लिए नए हाथियों को रेत की बोरियों और लकड़ी के हौदे से अभ्यास करा ज रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि इस साल मैसूर दशहरा में कंबाला और तुलुनाडु की झांकी शामिल होगी।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में बिना सीएम फेस के चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

- सचिन पायलट ने बता दिया क्या है पार्टी का प्लान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने जीत का दावा किया है। पंजाब कांग्रेस के



प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने कहा है कि राज्य में अगली सरकार 100 प्रतिशत कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता बदलाव चाहती है और पार्टी के पास चुनाव जीतने के लिए मजबूत टीम है। पायलट ने पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष परगट सिंह को 'सबको साथ लेकर चलने वाला कप्तान' बताते हुए कहा कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर चुनाव लड़ेंगे। पायलट ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पंजाब में मुख्यमंत्री पद के लिए किसी एक चेहरे को आगे करके चुनाव नहीं लड़ेगी।

गाजियाबाद पहुंचे योगी सीएम का सपा पर हमला

- इन्होंने गिरगिट की तरह बदला रंग, टिकट बेचने का किया काम

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में आयोजित शिक्षक-स्नातक सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में विधान परिषद चुनाव के



मतदाताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उसके शासनकाल में दंगों, कर्फ्यू और बदहाल सड़कों का मुद्दा उठाया। सीएम योगी ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में सुरक्षा, धार्मिक आयोजनों, बुनियादी ढांचे और शिक्षा के क्षेत्र में हुए कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने सहारनपुर के शाकुंभरी कॉरिडोर, नमो भारत ट्रेन और जेवर एयरपोर्ट का भी उल्लेख किया।

मेरठ सांप कांड में रविता और अमरदीप को फांसी

- पति का गला घोंटने के बाद बिस्तर पर छोड़ दिया था सांप

मेरठ कोर्ट ने तीन दिन में 4 दोषियों को मौत की सजा दी

मेरठ (एजेंसी)। अपने पति की गला दबाकर हत्या करने वाली रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पहले पति अमित कश्यप का गला दबाकर उसकी जान ली और इसके बाद इस हत्याकांड को हादसा दिखाने के लिए उसके बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। 12 अप्रैल 2025 की इस घटना में आखिरकार आज इंसाफ हो गया। मेरठ के एडीजे 12 जयवीर सिंह नागर की कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। आरोपी रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जेल से जुड़े थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई।



12 अप्रैल 2025 को हत्या की थी

मेरठ के बहसूमा क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव में 12 अप्रैल 2025 की रात को अमित कश्यप की हत्या कर दी गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सारा मामला सामने आ गया। पुलिस ने पति अमित की हत्या में पत्नी रविता व उसके प्रेमी अमरदीप को गिरफ्तार कर जेल भेजा। 7 अक्टूबर को कोर्ट ने रविता और अमरदीप को दोषी कर दिया था। आज कोर्ट ने दोनों को सजा सुनाई है। पुलिस को जांच के दौरान हत्या वाले दिन पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के बीच 50 से ज्यादा बार कॉल डिटेल मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, तो हत्या की सारी सच्चाई सामने आ गई थी। इससे पहले 14 अक्टूबर को कोर्ट ने सौरभ हत्याकांड में मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को भी फांसी की सजा सुनाई थी।

- तिरंगा मार्च के लिए कनॉट प्लेस पर जा रहे थे सीजेपी चीफ

घर से निकलते ही दीपके गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने तिरंगा यात्रा के लिए निकले अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि इसके लिए दीपके व अन्य सीजेपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी। जानकारी के अनुसार, दीपके जैसे ही अपने घर से बाहर निकले पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस पर दीपके ने पुलिस से सवाल किया कि आप मुझे क्यों हिरासत में ले रहे हो। तब पुलिस ने कहा कि प्रिवेंटिव मेजर के तहत आपको गिरफ्तार कर रहे हैं। कनॉट प्लेस के आउटर, मिडिल और इनर सर्किल में भारी सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पूरे कनॉट प्लेस को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सेंट्रल पार्क का नजारा देखने लायक है। पार्क के हर गेट से लेकर अंदर और बाहर चप्पे चप्पे पर दिल्ली पुलिस आए अर्ध सैनिक बलों की महिला और जवान की तैनाती की गई है जिससे कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता है।

11 दिसंबर को कनाडा जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

ट्रेड डील पर होगी बातचीत, कारोबार बढ़ाने के नियम तय होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 से 12 दिसंबर को कनाडा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत होगी। भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना भी है। इसके तहत दो देश व्यापार, निवेश और कारोबार बढ़ाने के लिए नियम तय करते हैं। भारत और कनाडा 2030 तक आपसी कारोबार को बढ़ाकर सालाना 7 लाख करोड़ रुपए करना चाहते हैं। अभी दोनों देशों के बीच करीब 3 लाख करोड़ रुपए का व्यापार होता है। पीएम मोदी का दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब कनाडा और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर की स्थिति है। ट्रम्प के टैरिफ दबाव के बीच कनाडा नए बाजार तलाश रहा है।



पीएम मोदी ने मार्क कार्नी से फोन पर बात की थी

प्रधानमंत्री मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच 13 अक्टूबर को फोन पर बातचीत हुई। मोदी ने इसे अच्छी बातचीत बताया। दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, सुरक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर सहमति जताई। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, दोनों नेता चाहते हैं कि भारत और कनाडा के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत जल्द पूरी हो। बातचीत में हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हालात पर भी चर्चा हुई।

तमिलनाडु में 128 जगहों पर होगा 'संघ' का पथ संचलन

- संचालन को मिली अनुमति, मद्रास हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को 128 जगहों पर पथ संचालन की अनुमति मिल गई है। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को यह बड़ा फैसला लिया। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस की आलोचना की। हाईकोर्ट ने कहा कि वे (पुलिस) बार-बार उन आधारों पर अनुमति देने से इनकार कर रहे थे जिन्हें अदालतें पहले ही खारिज कर चुकी हैं। गौरतलब हो कि एक दिन पहले हाईकोर्ट ने कहा था कि जब जम्मू



कश्मीर जैसे राज्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचालन कार्यक्रम हो सकता है तो तमिलनाडु में क्यों नहीं। मद्रास हाई कोर्ट ने आरएसएस के पथ संचालन मामले में फैसला देते हुए तमिलनाडु पुलिस को जमकर सुनाया।

सीजेआई सूर्यकांत पर टिप्पणी कर फंस गए संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से सीजेआई सूर्यकांत पर टिप्पणियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा। राउत ने चुनाव आयोग के कामकाज और एसआईआर के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं से मिलने से इनकार करने पर सीजेआई की आलोचना की थी। पत्रकार निखिल वागले को भी नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की आपराधिक अवमानना याचिका पर हुई है। कोर्ट ने कहा कि संस्थानों पर हमले अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं।



रात में सूरज की रोशनी बेचने की शुरू हुई तैयारी

- अंतरिक्ष में लगेंगे बड़े शीशे, दो लॉन्च के लिए हुआ है कॉन्ट्रैक्ट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल रात में धरती के चुनिंदा स्थानों पर सूरज की रोशनी बेचने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पृथ्वी की कक्षा में बड़े शीशे लगाए जाएंगे। कैलीफोर्निया की यह स्टार्ट-अप भारत की स्काईरूट एयरोस्पेस की मदद से सैटेलाइट लॉन्च करेगी। दोनों कंपनियों के बीच दो लॉन्च का कॉन्ट्रैक्ट हुआ है। इन सैटेलाइट से आपदा प्रभावित इलाकों में खोज और बचाव अभियान के लिए रोशनी दी जा सकेगी। सोलर फार्म में बिजली बनाने का समय भी बढ़ाया जा सकेगा। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल ने हैदराबाद में स्काईरूट एयरोस्पेस के साथ दो लॉन्च का समझौता किया है। दोनों लॉन्च विक्रम रॉकेट से किए जाएंगे।



पांच किलोमीटर के दायरे में दी जा सकेगी रोशनी

जुलाई में रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल को फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन से एक प्रदर्शन सैटेलाइट बनाने, लॉन्च करने और चलाने की मंजूरी मिली थी। कंपनी का लक्ष्य ऐसी रोशनी उपलब्ध कराना है, जिसे जरूरत के हिसाब से कभी भी बंद किया जा सके और जिसकी चमक भी कम-ज्यादा की जा सके। यह रोशनी 5 किलोमीटर के इलाके में फैलेगी। कंपनी के मुताबिक, जरूरत के समय मिलने वाली इस रोशनी से दूरदराज के औद्योगिक इलाकों में काम करने का समय बढ़ाया जा सकता है।

पहला देसी बहुउद्देशीय पोत 'समर्थक' नौसेना में शामिल

- स्वदेशी हथियारों से लैस यह पोत करेगा समुद्र की निगहबानी



करवार (एजेंसी)। भारत की निजी पोत निर्माण कंपनी द्वारा निर्मित पहले बहुउद्देशीय पोत समर्थक को शुक्रवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इसे युद्धपोत निर्माण में घरेलू उद्योग की भूमिका बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। करवार स्थित नौसैन्य अड्डे पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि पोत का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने तमिलनाडु के कट्टुपल्ली स्थित अपने पोत निर्माण केंद्र किया है और इस पोत में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है।

महाराष्ट्र में पटाखे पूरे साल बैन बनाने और बेचने पर रोक नहीं

- दीवाली-क्रिसमस में नहीं फोड़ सकेंगे, बॉम्बे एचसी का फैसला

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने पर लगी रोक पूरे साल लागू कर दी। यह रोक नवरात्रि, दीवाली, क्रिसमस और अन्य सभी त्योहारों पर लागू होगी। आदेश पूरे महाराष्ट्र में त्योहारों के जुलूसों के दौरान शोर और वायु प्रदूषण रोकने के लिए दिया गया है। जस्टिस गिरीश एस. कुलकर्णी और जस्टिस नीला के. गोकले की खंडपीठ ने यह निर्देश दिया। बेंच ने कहा, जब तक नागरिक हालात की जरूरत को नहीं समझेंगे और शहरों में रहने के



लंबे समय के खतरों के प्रति जागरूक नहीं होंगे, तब तक हालात बिगड़ते रहेंगे।

ऐसे शहर गैस चैंबर में बदल सकते हैं। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार, बीएमसी और एमपीसीबी को जागरुकता अभियान और शिकायत व्यवस्था शुरू करने को कहा है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि पटाखों के निर्माण और बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई है।

गणेशोत्सव में दिया था आदेश

खंडपीठ ने 22 सितंबर के अपने आदेश का दायरा बढ़ाया। यह आदेश गणेशोत्सव के दौरान दिया गया था। कोर्ट ने त्योहारों के जुलूसों के दौरान गंभीर शोर और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए यह रोक लगाई थी। अब यह आदेश पूरे साल लागू रहेगा। कोर्ट ने बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर गंभीर चिंता जताई। जजों ने कहा कि कानून का पालन नहीं होना समस्या है।

'सुदर्शन सेतु' के बाद अब 'बेट-द्वारका कॉरिडोर'

- गुजरात सरकार का मास्टरप्लान तैयार, इको-टूरिज्म केंद्र बनाने की योजना



अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात सरकार ने बेट द्वारका कॉरिडोर बनाने की योजना पर काम कर रही है। सरकार ने विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और इको-टूरिज्म केंद्र में बदलने के लिए एक व्यापक पुनर्विकास योजना शुरू की है। गुजरात में काशी विश्वनाथ और उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर काम करने की योजना है। इस परियोजना का उद्देश्य उन लाखों तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं को आधुनिक बनाना है, जो द्वारका आते हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, राज्य के राजस्व विभाग ने 31 सर्वे नंबरों के अंतर्गत एक हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण करने के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली नाव हादसा- पीड़ित परिवार से मिले मंत्री दीपक प्रकाश, कहा- प्रशासनिक चूक हुई



हाजीपुर। वैशाली जिले के राघोपुर के भक्तान टोला में 13 अक्टूबर की देर शाम करीब 8 बजे हुए नाव हादसे में 13 बच्चों की मौत के बाद बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। मंत्री ने प्रशासनिक चूक की बात स्वीकार करते हुए हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बात कही। मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि हादसे में जहां कहीं भी कमी या प्रशासनिक स्तर पर चूक हुई है, उसकी जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी अधिकारी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों और प्रशासनिक कमियों की पहचान कर उन्हें दूर किया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। मंत्री ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। प्रशासनिक व्यवस्था में जहां सुधार की जरूरत होगी, वहां आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। हादसे में 13 बच्चों की मौत के बाद इलाके में मातम पसरा है। अब पीड़ित परिवारों और स्थानीय लोगों की नजर जांच के नतीजों और दोषी अधिकारियों पर होने वाली कार्रवाई पर है।

हाजीपुर नाव हादसे के तीसरे दिन मेडिकल टीम नदारद, बेहोश महिलाओं को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

हाजीपुर। वैशाली जिले के राघोपुर में हुए भीषण नाव हादसे में 13 लोगों की मौत के बाद तीसरे दिन भी घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल बना हुआ है। हादसे में अपनों को खोने वाले परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस बीच घटनास्थल पर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि हादसे के बाद प्रभावित इलाके में मेडिकल टीम की पर्याप्त मौजूदगी नहीं रही। लोगों की तबीयत बिगड़ती रही और अचानक तीन महिलाएं बेहोश हो गईं,लेकिन मौके पर तत्काल इलाज के लिए डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक, तीन महिलाओं के अचानक बेहोश होने के बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए पुलिसकर्मियों को आगे आना पड़ा। पुलिसकर्मी अपनी गाड़ी में महिलाओं को लेकर अस्पताल रवाना हुए। वहीं, एक पुलिस अधिकारी मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए मोटरसाइकिल से लिफ्ट मांगते भी नजर आए। इस दौरान घटनास्थल पर मौजूद लोगों में स्वास्थ्य सेवाओं की अनुपलब्धता को लेकर नाराजगी देखी गई। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे के बाद एक एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंची। एंबुलेंस कर्मी बोरी में भरकर दवाइयां और स्लाइन की बोतलें लेकर पहुंचे। लोगों का आरोप है कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी मौके पर डॉक्टरों और मेडिकल टीम की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि हादसे के बाद प्रभावित लोगों के इलाज और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए क्या इंतजाम किए गए थे।



राघोपुर नाव हादसे के बाद अंचल अधिकारी पर कार्रवाई, 13 मौतों के बाद परिजन में आक्रोश

हाजीपुर। वैशाली जिले के राघोपुर में नाव हादसे के बाद प्रशासनिक बदलाव हुए हैं। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह ने पातेपुर के अंचल अधिकारी प्रभात को राघोपुर अंचल का अतिरिक्त प्रभार दिया है। राघोपुर के अंचल अधिकारी दीपक कुमार को जिला जन शिकायत कोषांग, वैशाली में तैनात किया गया है। 16 अक्टूबर को प्रशासन ने बताया कि यह बदलाव अंचल कार्यालय के काम को ठीक से चलाने के लिए है। हालांकि, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश है। साथ ही, सीओ दीपक कुमार को सेवा से बर्खास्त कर FIR दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। राघोपुर नाव हादसे में 13 लोगों की मौत के बाद प्रभावित परिवारों में गुस्सा है। परिजन इस बदलाव को काफी नहीं मान रहे। उनका कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो और तत्कालीन अंचल अधिकारी दीपक कुमार पर हत्या का केस दर्ज हो। वे निष्पक्ष जांच और कड़ी कानूनी कार्रवाई चाहते हैं। दीपक कुमार को जिला जन शिकायत कोषांग में भेजने के बाद चर्चा है कि क्या यह फैसला नाव हादसे के बाद लिया गया है। हालांकि, प्रशासन ने अपनी विज्ञप्ति में इसे नाव हादसे से जोड़कर कार्रवाई किए जाने की साफ पुष्टि नहीं की है।

बिहार में सर्वाइकल कैंसर के 8,250 नए मामले, 30-49 वर्ष की महिलाओं में कैंसर स्क्रीनिंग के आंकड़े चिंताजनक

पटना। बिहार में महिलाओं में स्तन और सर्वाइकल कैंसर के हजारों नए मामले सामने आने का अनुमान है। इसके बावजूद जांच की पहुंच बेहद कम है। अस्पतालों में स्क्रीनिंग और इलाज की व्यवस्था भी पूरी नहीं है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुमान के अनुसार, बिहार में 2025 में सर्वाइकल कैंसर के 8,250 नए मामले और 4,455 मौतें हुईं। ये अनुमान हैं, अस्पतालों में दर्ज वास्तविक मामलों और मौतों की संख्या नहीं। वहीं, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के 2019-20 के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में 30 से 49 वर्ष की महिलाओं में सिर्फ 0.3% ने स्तन कैंसर और 0.8% ने सर्वाइकल कैंसर की जांच कराई। यानी हर 1,000 महिलाओं में करीब 3 ने स्तन कैंसर और 8 ने सर्वाइकल कैंसर की जांच कराई। एनएफएचएस-6 की फैक्टशीट मई 2026 में जारी हुई, लेकिन उसमें कैंसर स्क्रीनिंग के ये संकेतक शामिल नहीं हैं। ऐसे में महिलाओं के बीच जांच की मौजूदा स्थिति जानने के लिए स्वास्थ्य विभाग के नए आंकड़ों की जरूरत है। पांच साल में सर्वाइकल कैंसर के अनुमानित मामले 477 बढ़े बिहार में सर्वाइकल कैंसर के अनुमानित नए मामले 2021 में 7,773 थे। 2022 में यह संख्या 7,892, 2023 में 8,012 और 2024 में 8,131 थी। 2025 में बढ़कर 8,250 हो गई। यानी 2021 से 2025 के बीच सालाना अनुमानित मामलों में 477 की वृद्धि हुई। इसी अवधि में अनुमानित मौतों की संख्या भी 4,197 से बढ़कर 4,455 हो गई। 2025 के सालाना अनुमान को 365 दिनों से भाग देने पर प्रतिदिन करीब 23 नए मामले और 12 मौतों का औसत निकलता है। इसी सर्वे पर आधारित प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, बिहार में प्रति एक लाख महिलाओं पर स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग का अनुपात 341 और सर्वाइकल कैंसर का 838 था। राष्ट्रीय औसत क्रमशः 877 और 1,965 था।

पटना में दुर्गापूजा के 50 से अधिक पंडालों की जांच

एजेंसी, पटना



- डाकबंगला चौराहे और महावीर मंदिर पंडाल पहुंचे फायर डीआईजी, बोले-कमियां नहीं सुधारीं तो शाम से कार्रवाई होगी

दुर्गा पूजा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर अग्निशमन विभाग अलर्ट है। शुक्रवार को विभाग की टीम ने पटना शहरी क्षेत्र के 50 से अधिक पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई पंडालों में सुरक्षा संबंधी कमियां मिलीं। फायर DIG मनोज कुमार नट ने स्पष्ट किया कि जिन पूजा पंडालों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाएगा, उनके खिलाफ शुक्रवार शाम से कार्रवाई शुरू की जाएगी। जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी होगी।

झूलते बिजली के तार दुरुस्त करें, पंडाल में रखें पानीः फायर DIG मनोज कुमार नट ने खुद डाकबंगला चौराहे और महावीर मंदिर के पूजा पंडाल का निरीक्षण किया। उन्होंने पंडाल संचालकों को झूलते बिजली के तारों को दुरुस्त कराने और सिंथेटिक कपड़ों के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी। साथ ही आग लगने की स्थिति में तत्काल बचाव के लिए पंडाल में ड्रम में पानी भरकर रखने को कहा। अधिकारियों ने सुरक्षा मानकों का पालन करने और संभावित खतरे को देखते हुए जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विभाग का जोर है कि पूजा के दौरान उमड़ने वाली भीड़ के बीच किसी भी तरह की लापरवाही से बचा जाए।

पिछले साल से 32% अधिक बने पूजा पंडालः मनोज कुमार नट ने बताया, 'इस बार पिछले साल की तुलना में करीब 32 प्रतिशत अधिक पूजा पंडाल बनाए गए हैं। दुर्गापूजा के दौरान ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोगों के पटना पहुंचने की संभावना है। ऐसे में पंडालों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग के लिए अहम है।'

शाम से शुरू होगी कार्रवाईः अग्निशमन विभाग ने पंडाल संचालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए निर्देश दिए हैं। जिन पंडालों में कमियां पाई गई हैं, उन्हें दुरुस्त करने का मौका दिया जा रहा है। इसके बावजूद निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वाले पंडालों के खिलाफ शुक्रवार शाम से कार्रवाई शुरू की जाएगी।

फायर DIG ने दिए आग से बचाव के इंतजाम करने के निर्देशः निरीक्षण अभियान में फायर DIG मनोज कुमार नट, डीएफओ अभिषेक कुमार और अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार शामिल रहे। टीम ने भीड़भाड़ वाले इलाकों में बने पूजा पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने पंडाल संचालकों को कमियां जल्द दूर करने और आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम करने का निर्देश दिया।

चुनाव आयोग कार्यालय घेरने निकले सीपीएम कार्यकर्ता

एजेंसी, पटना



- आर-ब्लॉक में पुलिस ने रोका, अधिकारियों से मिलने गया डिलिगेशन, कार्यालय के बाहर फोर्स-वाटर कैनन तैनात

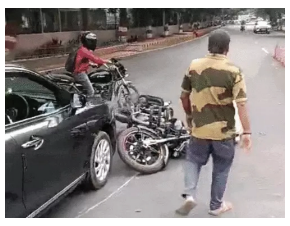
वोट चोरी के आरोपों और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका को लेकर विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी है। दिल्ली के बाद अब बिहार समेत कई राज्यों में भी विपक्षी दलों और संगठनों की ओर से विरोध जताया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को पटना में CPM और उससे जुड़े विभिन्न संगठनों ने निर्वाचन आयोग कार्यालय के घेराव का ऐलान किया है। प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने कार्यालय के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

कार्यालय के बाहर पुलिस बल तैनात, बैरिकेडिंगः निर्वाचन आयोग कार्यालय के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। प्रदर्शनकारियों को कार्यालय की ओर बढ़ने से रोकने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। इसके अलावा मौके पर वाटर कैनन की गाड़ियां भी तैनात की गई हैं। प्रशासन की ओर से पूरे इलाके पर नजर रखी जा रही है। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है।

वोट चोरी के आरोपों को लेकर विरोधः विपक्षी दलों की ओर से चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों को लेकर विरोध जताया जा रहा है। प्रदर्शनकारी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। पटना में प्रस्तावित घेराव को लेकर अब सबकी नजर प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों और पुलिस की तैयारियों पर है। फिलहाल प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में जुटा है।

कार ने बाइक सवार दारोगा को मारी टक्कर ईको पार्क गोलंबर के पास हादसा

एजेंसी, पटना



पटना में शुक्रवार दोपहर कार की टक्कर से बाइक सवार दारोगा अशोक कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके हाथ, घुटने और शरीर के पिछले हिस्से में चोट आई है। घटना के बाद कार सवार ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए घायल दारोगा को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। वहां उनका इलाज कराया जा रहा है। हादसा सचिवालय थाना क्षेत्र के ECO पार्क गोलंबर के पास हुई।

लंच करने निकले थे, गोलंबर के पास हुआ हादसाः घायल दारोगा अशोक कुमार ने बताया कि वह मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के यहां तैनात हैं। शुक्रवार दोपहर वह बाइक से लंच करने के लिए निकले थे। इसी दौरान ECO पार्क गोलंबर के पास एक कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वह सड़क पर गिर पड़े और शरीर के कई हिस्सों में चोट आई।

कार सवार ने अस्पताल पहुंचायाः हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति बन गई। हालांकि, कार सवार ने घायल दारोगा की मदद की और उन्हें अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया, ताकि समय पर इलाज मिल सके।

शिकायत मिलने पर होगी जांचः फिलहाल घायल दारोगा का अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और टक्कर किसकी लापरवाही से हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। खबर लिखे जाने तक मामले में पुलिस के पास कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। शिकायत मिलने पर पुलिस मामले की जांच कर सकती है।

ड्राइवर अभ्यर्थियों ने की छठ पूजा, पीली धोती पहने हाथों में सूप-कलश लेकर किया प्रदर्शन

एजेंसी, पटना



- 1200 खाली वैकेंसी को भरने की मांग

बिहार पुलिस ड्राइवर अभ्यर्थियों ने गर्दनीबाग धरना स्थल पर अनोखा प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने गर्दनीबाग में छठ पूजा किया और विरोध जताया। पीली धोती में अभ्यर्थी छठ पूजा की परंपरा के अनुरूप हाथों में सूप और कलश लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। इसके साथ ही तिरंगा झंडा भी लेकर विरोध जताया। सीडीपीओ अनु कुमारी ने ड्राइवर अभ्यर्थियों के 5 डेलिगेशन को उनकी मांगों को लेकर बातचीत करने के लिए ले गई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि हमारे प्रदर्शन को 35 दिन से ज्यादा हो गए हैं लेकिन अभी तक बिहार सरकार के कान नहीं खुले हैं। सरकार स्टूडेंट्स के बातों को नहीं सुन रही है।

इसलिए आज फिर भर्ती प्रक्रिया में खाली रह गई 1200 से अधिक महिला सीटों को उसी श्रेणी के पुरुष अभ्यर्थियों से भरने की मांग को लेकर बिहार पुलिस ड्राइवर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया।

रिक्त सीटों को भरने की मांगः अभ्यर्थियों की मुख्य मांग भर्ती में रिक्त रह गई 1200 से अधिक महिला सीटों को लेकर है। उनका कहना है कि यदि नियम इसकी अनुमति देते हैं, तो इन सीटों को संबंधित श्रेणी के योग्य पुरुष अभ्यर्थियों से भरने पर विचार किया जाना चाहिए। इससे सीटें रिक्त रहने से बचेंगी और भर्ती में शामिल योग्य उम्मीदवारों को मौका मिल सकेगा।

बची सीटों पर पुरुषों के लिए वैकेंसी निकाली जाएः बिहार पुलिस से ड्राइवर भर्ती के अभ्यर्थी रंजीत ने कहा, हम लोग कई दिनों से गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं। घर से भी अब कहा जा रहा है कि हम लोग पढ़ाई-लिखाई नहीं कर रहे हैं, बस धरना दे रहे हैं। मगर अपने हक के लिए हम नहीं लड़ेंगे तो कौन लड़ेगा। हमारी यही मांग है कि बिहार पुलिस ड्राइवर भर्ती में जो खाली सीट है। वह महिलाओं को देने के बाद जो बचता है उसपर हम पुरुषों के लिए वैकेंसी निकाली जाए। इसी नियम के तहत सरकार दरोगा भर्ती में सीट दे रही है, तो फिर ड्राइवर भर्ती में क्यों नहीं।

प्रदर्शन से पहले ही पुलिस ने अभ्यर्थियों को किया था डिटेनः एक हफ्ते पहले ड्राइवर अभ्यर्थी सीएम हाउस का घेराव करने वाले थे, मगर प्रदर्शन से पहले ही पुलिस ने अभ्यर्थियों को डिटेल कर लिया था। गांधी मैदान के गेट नंबर 10 के पास जुटे अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ा कर पकड़ा था। पुलिस प्रदर्शनकारियों को गांधी मैदान से भगा रही थी। कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गांधी मैदान गेट नंबर 10 पर ही पुलिस ने बैरिकेडिंग तक कर दी थी। गांधी मैदान के अंदर बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गई थी।

वैशाली नाव हादसाः पीड़ितों से मिलकर रोए शिक्षक रौशन आनंद, परिजनों को 3.25 लाख की मदद दी

एजेंसी, पटना



- बोले-सरकार सतर्क होती तो नहीं जाती 13 बच्चों की जानें

ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर और शिक्षक रौशन आनंद आज वैशाली जिले के राघोपुर के रामपुर श्यामचंद में हुए नाव हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलने आज सुबह पहुंचे। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों से मुलाकात की और 3 लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। इस दौरान परिजन उनसे गले लगकर रोने लगे। परिवारों का दर्द देखकर रौशन आनंद भी भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। उन्होंने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिया कि बच्चों की पढ़ाई में भी आगे मदद करेंगे।

मुख्यमंत्री के नहीं पहुंचने पर उठाए सवालः रौशन आनंद ने कहा कि पटना से घटनास्थल की दूरी करीब 30 मिनट है, फिर भी मुख्यमंत्री का यहां नहीं आना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों का आरोप है कि अगर सरकार सतर्क रहती, तो यह हादसा टल सकता था। रौशन आनंद के मुताबिक, 8 और 20 सितंबर को जिलाधिकारी को समस्याओं से अवगत कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद जरूरी कदम नहीं उठाए गए।

चिराग पासवान से बोले- अपने क्षेत्र को फर्स्ट बनाइएः शिक्षक रौशन आनंद ने हाजीपुर के सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'चिराग पासवान का नारा 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' है, लेकिन उन्हें पहले अपने लोकसभा क्षेत्र को बेहतर बनाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हाजीपुर उनके पिता और चाचा की पुश्तैनी सीट रही है। अगर इस सीट को बचाना है, तो क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था करनी होगी कि दोबारा इस तरह की घटना न हो।'

बेहतर स्वास्थ्य सुविधा होती तो बच सकती थीं जानेंः रौशन आनंद ने कहा कि हादसे में 13 बच्चों की मौत हुई। उनके मुताबिक, 10 बच्चों को जीवित निकाला गया था। उन्होंने कहा कि अगर क्षेत्र में बेहतर एंबुलेंस और स्वास्थ्य सुविधाएं होतीं, तो कई जानें बचाई जा सकती थीं। उन्होंने राघोपुर में स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

राघोपुर में NDRF टीम तैनात करने की मांगः रौशन आनंद ने मांग की कि राघोपुर में NDRF की टीम तैनात की जाए। साथ ही, पर्याप्त एंबुलेंस और उनमें ऑक्सीजन की सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से भी अपील की कि वे राघोपुर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था का जायजा लें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं के दौरान लोगों की जान बचाई जा सके।

सारण शिक्षक सीट से नहीं लड़ेंगे रामपुकार सिन्हा

एजेंसी, पटना

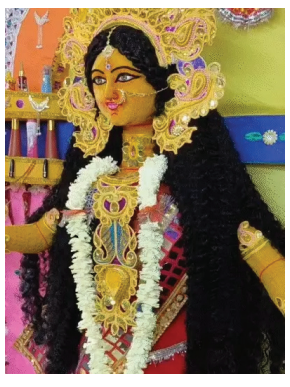


RLM के विधायकों ने अपना फैसला बदल लिया है। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से RLM के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता रामपुकार सिन्हा ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है। प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ने कहा कि हम NDA के नेताओं की जीत के लिए काम करेंगे। रामपुकार सिन्हा भी NDA के प्रत्याशी पुष्कर आनंद के समर्थन में प्रचार करेंगे। नामांकन वापस लेने के बाद रामपुकार सिन्हा ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और एनडीए के घटक दलों के नेताओं के साथ बैठक हुई। इस बैठक में मुझे आश्वस्त किया कि भविष्य में आपके लिए कुछ बेहतर संभावना देखी जाएगी। पार्टी के आश्वासन पर भरोसा करते हुए हमने नामांकन वापस लेने का फैसला लिया है। इसके बावजूद मैं अपने शिक्षक समर्थकों के बीच रहूंगा और पार्टी के लिए समर्पित रहूंगा।

बता दें कि कुछ दिन पहले रामपुकार सिन्हा को अनुशासनहीनता के आरोप में 6 साल के लिए पार्टी से बाहर किया था। हालांकि, नामांकन वापस लेने के बाद पार्टी में शामिल हो गए हैं। एमएलसी चुनाव में सारण शिक्षक सीट से रामपुकार सिन्हा ने पार्टी लाइन से हटकर निर्दलीय नामांकन किया था। निर्दलीय चुनाव लड़ने पर उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी RLM ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। पार्टी के इस फैसले के बाद रामपुकार ने कहा था कि मेरे बड़े भाई उपेंद्र कुशवाहा जी के चरण कमलों में सादर प्रणाम करता हूं और मैं आशा करता हूं कि सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मुझे विजयश्री का आशीर्वाद दिए थे और हमेशा देते रहेंगे।

25 किलो गरम मसाला से बनी मां की प्रतिमा, 5000 बिंदी, 1500 आईने से सोलह श्रृंगार

एजेंसी, पटना



पटना में दुर्गा पूजा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। देवी दर्शन के लिए सप्तमी से पट खुल जाएंगे। इस बार श्रद्धालुओं को खास तरह की दुर्गा प्रतिमाएं देखने को मिलेंगी। मूर्तिकार जितेंद्र ने गरम मसाला, सीप, मौली, कॉर्न फ्लेक्स और सोलह श्रृंगार का इस्तेमाल कर पांच मूर्तियां बनाई हैं, जो इस बार आकर्षण का केंद्र रहेगी। ये सारी प्रतिमा 6-7 फीट की हैं और इसे बनाने में करीब 4 लाख का खर्च आया है। मूर्तिकार जितेंद्र और उनके भाई चंदन, पिछले एक महीने से इन प्रतिमाओं का निर्माण कर रहे थे।

25 किलो गरम मसाला का इस्तेमाल कर बनाई प्रतिमाः मूर्तिकार जितेंद्र ने बताया कि गरम मसाला का इस्तेमाल कर प्रतिमा बनाने में 25 किलो मसाला का इस्तेमाल किया गया है। इसमें दालचीनी, बड़ी इलायची, छोटी इलायची, जावित्री, गोलकी, धनिया, सौंफ और लौंग जैसे मसाले प्रतिमा में लगाए गए हैं। वहीं, बैकग्राउंड को तेज पत्ता और लाल मिर्च से सजाया गया है। इसके साथ ही फूल चक्री मसाले का भी इस्तेमाल किया गया है। वहीं, उन्होंने बताया कि सोलह श्रृंगार वाली प्रतिमा के लिए बिंदी, आईना, कंघी, मेहंदी, काजल, पायल, मंगलसूत्र, काजल, पाउडर, नेल पेंट, अल्ता, लिपस्टिक जैसी चीजों का इस्तेमाल किया है।

दुर्गा पूजा पंडाल में पहली बार 3डी मैपिंग शो

एजेंसी, पटना



- एतवारपुर में जगन्नाथ मंदिर थीम पर पंडाल, माता दुर्गा-राक्षसों के दृश्य दिखेंगे, बनारस की तर्ज पर गंगा आरती

दुर्गा पूजा में इस बार पटना के एतवारपुर का पूजा पंडाल श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण बनने जा रहा है। यहां ओडिशा के पुरी स्थित विश्वप्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ मंदिर की थीम पर भव्य पंडाल तैयार किया गया है। इसकी खासियत सप्तमी से नवमी तक होने वाला 3D मैपिंग लाइट एंड साउंड शो है। इसमें रंग-बिरंगी रोशनी, भक्तिमय संगीत और आधुनिक तकनीक के जरिए पौराणिक प्रसंगों को जीवंत रूप में दिखाया जाएगा। पूजा कमेटी का दावा है कि बिहार में पहली बार किसी दुर्गा पूजा पंडाल में इस स्तर का 3D मैपिंग शो हो रहा रहा है। करीब 60 दिनों की मेहनत और 85 से 90 लाख रुपए की लागत से इस पंडाल को तैयार किया है। 3D मैपिंग तकनीक से पंडाल की दीवारों पर मां दुर्गा और राक्षसों से जुड़े अलग-अलग दृश्य दिखाए जाएंगे, जिससे इमारत जीवंत महसूस होगी।

दो महीने की मेहनत से तैयार हुआ भव्य पंडालः दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष मुनीर यादव ने बताया, इस तरह का 3D मैपिंग लाइट एंड साउंड शो आमतौर पर महानगरों में देखने को मिलता है। बिहार में पहली बार इस स्तर का आयोजन करने का प्रयास किया गया है। उनका उद्देश्य पटना और आसपास के लोगों को अपने ही शहर में आधुनिक तकनीक से सजा एक भव्य धार्मिक आयोजन देखने का अवसर उपलब्ध कराना है।

भगवान जगन्नाथ मंदिर की थीम पर बना पंडालः मुनीर यादव ने बताया, पुरी के जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार करने में लगभग दो महीने तक लगातार काम किया गया। पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश से आए 80 से अधिक कारीगरों ने दिन-रात मेहनत कर इस पंडाल को आकर्षक स्वरूप दिया है। कारीगरों ने इसकी बनावट, सजावट और बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि श्रद्धालुओं को मंदिर जैसी भव्यता का अनुभव हो सके। पंडाल निर्माण में पारंपरिक कलाकारी और आधुनिक तकनीक का समन्वय किया गया है। कमेटी का कहना है कि इस बार श्रद्धालुओं को केवल मां दुर्गा के दर्शन ही नहीं, बल्कि एक ऐसी झांकी देखने को मिलेगी, जिसमें धार्मिक आस्था के साथ तकनीकी आकर्षण भी शामिल होगा।

पंडाल का सबसे बड़ा आकर्षण सप्तमी से नवमी तक चलने वाला 3D मैपिंग लाइट एंड साउंड शो होगा। इसके लिए मुंबई से तकनीकी विशेषज्ञों को बुलाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नवोदय प्रवेश परीक्षा 2027 की तैयारी को लेकर टीचर्स ऑफ बिहार की बड़ी पहल

बीएनएम @ मोतिहारी। जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा 2027 की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए टीचर्स ऑफ बिहार के एग्जाम सेल ने विशेष शैक्षणिक पहल की है। इसके तहत परीक्षा के पैटर्न, विषयवार सिलेबस और तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से संबंधित जानकारी को 50 हजार से अधिक लोगों द्वारा देखे जाने की चर्चा है, जो विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है। एग्जाम सेल की ओर से उपलब्ध कराई गई सामग्री में मानसिक योग्यता, अंकगणित और भाषा से जुड़े विषयों के साथ परीक्षा के स्वरूप, अंक-विभाजन, समय-सीमा तथा नियमित अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। डिजिटल माध्यम से विद्यार्थियों तक उपयोगी शैक्षणिक संसाधन पहुँचाने का उद्देश्य उनकी तैयारी को व्यवस्थित बनाना और आत्मविश्वास बढ़ाना है। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से इस पहल में योगदान देने वाले एग्जाम सेल के सभी शिक्षक साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की मेहनत, समर्पण और सामूहिक प्रयास से विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए बेहतर मार्गदर्शन मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एग्जाम सेल भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ विद्यार्थियों के हित में कार्य करता रहेगा। साथ ही, उन्होंने शिक्षकों, अभिभावकों और जागरूक नागरिकों से इस महत्वपूर्ण जानकारी को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचाने की अपील की। नवोदय कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा 2027 के सिलेबस, परीक्षा पैटर्न और तैयारी से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए टीचर्स ऑफ बिहार की वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री देखी जा सकती है।

दशहरा पर्व को लेकर नगर निगम अलर्ट रविवार का साप्ताहिक अवकाश रद्द

बीएनएम @ मोतिहारी। दशहरा पर्व के मद्देनजर शहर में स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए नगर निगम मोतिहारी अलर्ट मोड में आ गया है। पर्व के दौरान शहर के सभी वार्डों और प्रमुख सड़कों पर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम प्रशासन ने रविवार का साप्ताहिक अवकाश रद्द कर दिया है। अब रविवार को भी निगम क्षेत्र में नियमित रूप से सफाई अभियान चलाया जाएगा। नगर आयुक्त आशीष कुमार के निर्देश पर नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सफाई कर्मियों को अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में नियमित रूप से साफ-सफाई करने तथा सार्वजनिक स्थलों और मुख्य सड़कों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दशहरा पर्व के दौरान शहर में स्वच्छता बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। नगर निगम का लक्ष्य दशहरा पर्व के अवसर पर शहरवासियों और श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुंदर एवं साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि लोग बिना किसी असुविधा के हर्षोल्लास के साथ पर्व मना सकें। नगर निगम मोतिहारी ने स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

सिकटा में पुलिस की कार्रवाई, 60 लीटर देसी शराब बरामद

बीएनएम @ सिकटा। थाना क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस ने छापेमारी कर 60 लीटर देसी शराब बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया है। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। जानकारी के अनुसार, थाना प्रभारी नीतीश कुमार मौर्य के नेतृत्व में पुलिस ने शराब तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पुलिस को मौके से दो बोरे मिले, जिनमें 30-30 लीटर देसी शराब रखी हुई थी। कुल 60 लीटर शराब बरामद होने के बाद पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। बताया जाता है कि पुलिस को देखकर तस्कर रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए दोनों बोरे छोड़कर फरार हो गए। अंधेरा होने के कारण मौके पर किसी भी तस्कर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। फिलहाल, शराब तस्करी से जुड़े मामले में छानबीन जारी है। फरार तस्करों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दुर्गा पूजा पर स्वच्छता का संदेश दे रहे स्कूली बच्चे

बीएनएम @ पताही। दुर्गा पूजा के अवसर पर एसआरएच कैम्ब्रिज वर्ल्ड स्कूल, रुपनी चौक के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। शुक्रवार को 'पंडाल में कचरा नहीं' शीर्षक से इस नाटक का मंचन पताही थाना चौक, बड़का बाजार पूजा पंडाल और बखरी बाजार पूजा पंडाल में किया गया। शिक्षक आर्या सर, सुनील सर और मुस्कान मैम के निर्देशन में बच्चों ने लोगों से पूजा पंडालों और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फैलाने की अपील की। उन्होंने स्वच्छता को स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी बताते हुए महात्मा गांधी के स्वच्छता संबंधी आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान पताही थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने भी नाटक देखा और बच्चों के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि गांव और शहर को स्वच्छ बनाने में आम लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की स्थानीय लोगों ने भी प्रशंसा की।

सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान को लेकर हुई समीक्षा बैठक



रामगढ़वा। प्रखंड सभागार में गुरुवार को सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ राकेश कुमार और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ब्रजेश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से की। बैठक में विद्यालयों की आधारभूत संरचना के विकास, सौंदर्यीकरण और सुधार कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रथम श्रेणी के तहत तात्कालिक सुधार कार्य जैसे फर्श, रंग-रोगन, लघु मरम्मत, ब्लैक बोर्ड का सौंदर्यीकरण, पेयजल, रनिंग वाटर और शौचालय के रख-रखाव तथा द्वितीय श्रेणी के तहत वृहद निर्माण कार्य जैसे अतिरिक्त वर्ग कक्ष, चारदीवारी, किचन शेड आदि की योजनाओं को चिह्नित कर पोर्टल पर प्रविष्टि करानी है। बीडीओ ने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विद्यालयों से संबंधित संसाधन एवं भौतिक-वित्तीय आवश्यकताओं का प्रपत्र पूर्ण रूप से भरकर जीपीएस फोटोग्राफ के साथ समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बैठक में प्रधानाध्यापक श्रीनिवास, शंभू राम, मोहम्मद इफ्तेखार, मोहम्मद सद्दाम, संजीव कुमार सहित प्रखंड के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व शिक्षक मौजूद रहे। सभी ने अभियान को धरातल पर सफल बनाने का संकल्प लिया।

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में सजी दुर्गा माता की चैतन्य झांकी, बीके मीणा दीदी सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

नवरात्र के पावन अवसर पर गुरुवार की संध्या ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बनियापट्टी सेवा केंद्र में दुर्गा माता की भव्य चैतन्य झांकी सजाई गई। झांकी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित कार्यक्रम में दुर्गा पूजा के आध्यात्मिक रहस्य, आत्मशक्ति, नारी सम्मान और बुराइयों पर विजय का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उत्तर बिहार की वरिष्ठ राजयोगिनी बीके मीणा दीदी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वहीं, सेंट जेवियर्स स्कूल की छात्रा सानवी वर्मा ने आकर्षक स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ राजयोगिनी बीके मीणा दीदी ने कहा कि दुर्गा पूजा बुराइयों पर अच्छाइयों की विजय का प्रतीक है। दुर्गा का अर्थ है दुर्गुणों और विकारों का हरण करने वाली शक्ति। उन्होंने कहा कि दशहरे पर दस सिर वाले रावण के पुतले का दहन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि अपने भीतर मौजूद बुराइयों को समाप्त करने का आध्यात्मिक संदेश भी है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने अंदर के रावण रूपी विकारों को पहचानकर उन्हें समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। नवरात्र का समापन तभी सार्थक होगा, जब हम अपने भीतर की बुराइयों का भी विसर्जन करें। सेवा केंद्र की प्रभारी बीके विभा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए



कहा कि नवरात्र के नौ दिन शक्ति संचय और आत्मशुद्धि के प्रतीक हैं। इन दिनों में आध्यात्मिक साधना के माध्यम से स्वयं को सकारात्मक ऊर्जा से भरने तथा जीवन में श्रेष्ठ गुणों को धारण करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए बीके अशोक वर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था में प्रतिदिन सहज राजयोग का अभ्यास कराकर लोगों को आंतरिक बुराइयों से मुक्त होने की शक्ति प्रदान की जाती है। राजयोग के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने विचारों को सकारात्मक बनाकर जीवन में शांति, पवित्रता और सद्भाव का अनुभव कर सकता है। इस अवसर पर डॉ. हेना चंद्रा ने अपने ओजपूर्ण संबोधन में नारी सम्मान और सशक्तीकरण पर जोर देते हुए कहा कि यदि नारी का अपमान होता है, तो दुर्गा माता की पूजा अधूरी रह जाती है। शक्ति की आराधना का वास्तविक संदेश नारी का सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण है। उन्होंने कहा कि समाज में नारी को उचित सम्मान और समान अवसर देना ही देवी पूजा की भावना को सार्थक बनाता है। वक्ताओं ने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशक्ति जागृत करने और जीवन से नकारात्मक प्रवृत्तियों को दूर करने का अवसर भी है। जब आत्मा शक्तिशाली बनती है, तब व्यक्ति अपने भीतर की बुराइयों को समाप्त करने और श्रेष्ठ जीवन जीने में सक्षम होता है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण दुर्गा माता की चैतन्य झांकी रही, जिसमें बीके संध्या ने मां दुर्गा का स्वरूप धारण किया। झांकी के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शक्ति, पवित्रता और बुराइयों पर विजय का संदेश दिया गया। इस अवसर पर बीके मीणा दीदी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। दुर्गा माता के साथ उनकी भी आरती उतारी गई। कार्यक्रम में बीके आरती, बीके मंजू, बीके नीतू, बीके पूनम, बीके अनीता, बीके प्रभु भाई, बीके भोला भाई, बीके प्रतिमा जायसवाल, सुगौली सेवा केंद्र की प्रभारी बीके रामाधार, बीके अंबालिका, बीके शशिकला, बीके गायत्री, बीके नीलम, बीके रंजन, बीके शिव पूजन सहित अनेक श्रद्धालु एवं ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा को लेकर फ्लैग मार्च शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील

बीएनएम @ मोतिहारी

दुर्गा पूजा के त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार शाम जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में मोतिहारी शहर के प्रमुख मार्गों पर फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आम नागरिकों से मिलकर त्योहार के दौरान शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। फ्लैग मार्च की शुरुआत पुलिस लाइन से हुई। इसके बाद कचहरी चौक, बलुआ ओवरब्रिज, सदर अस्पताल, टाउन थाना, मीना बाजार, गांधी चौक, गांजा गद्दी चौक, हिंदी बाजार और नाका नंबर- 2 होते हुए गोशाला तक फ्लैग मार्च निकाला गया। इस



फ्लैग मार्च में नगर आयुक्त, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान शामिल हुए। इस दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने बाइकर्स पुलिस के साथ बाइक से पेट्रोलिंग भी की, ताकि शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा सके। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया। साथ ही लोगों से दुर्गा पूजा का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने, आपसी भाईचारा बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य त्योहार के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना, आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना तथा शहर में शांति और सद्भाव का माहौल कायम रखना है।

मां कात्यायनी की पूजा, निकली बेल निमंत्रण शोभायात्रा

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

शारदीय नवरात्र और मां दुर्गा पूजा का पर्व हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। नवरात्र के छठे दिन शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की विधिवत पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों और पूजा पंडालों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस अवसर पर विभिन्न पूजा समितियों की ओर से परंपरागत तरीके से मां की डोली सजाई गई। मंत्रोच्चार और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच श्रद्धालु डोली लेकर गांव भ्रमण पर निकले। जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। डोली यात्रा पास के बेल वृक्ष तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने बेल पूजा कर मां भगवती से सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। शेखपुरवा बाजार एवं पंडितपुर



पूजा समिति की ओर से बेल निमंत्रण शोभायात्रा निकाली गई। वहीं, अन्य पूजा समितियों ने भी आसपास के बेल वृक्षों के समीप विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिरों और पूजा पंडालों में दुर्गा सप्तशती का पाठ, आरती और अन्य धार्मिक अनुष्ठान जारी हैं। वहीं, श्रद्धालु अपने घरों में भी कलश एवं मां की प्रतिमा के समक्ष पूजा कर परिवार की सुख-शांति की कामना कर रहे हैं। नवरात्र के छठे दिन की पूजा संपन्न होने के साथ ही श्रद्धालु सप्तमी, अष्टमी और नवमी की तैयारियों में जुट गए हैं।

जनता दरबार में 140 आवेदकों की समस्याओं पर हुई सुनवाई, शीघ्र समाधान का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित 'जनता के दरबार में जिला प्रशासन' कार्यक्रम में कुल 140 आवेदन प्राप्त हुए। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के निर्देश पर अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने विभिन्न अंचलों से पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित एवं विधिसम्मत निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उक्त कार्यक्रम में जिले के सभी अंचलों के अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे जुड़े रहे। इस दौरान प्राप्त शिकायतों पर जनता दरबार से ही संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश



दिया गया। अपर समाहर्ता शैलेंद्र कुमार भारती ने कहा कि जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित पदाधिकारियों के स्तर से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आवेदकों की समस्याओं का विधिसम्मत समाधान शीघ्र कराया जाएगा। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण तथा राजस्व विभाग से संबंधित मामले सामने आए। इन आवेदनों के त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देशों के साथ मामले भेजने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। इस अवसर पर एडीएम (विभागीय जांच) मो. सिबगतुल्लाह, वरीय उपसमाहर्ता सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. विकाश कुमार का आईयूएसटी, कश्मीर में सहायक प्राध्यापक पद पर चयन

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के मीडिया अध्ययन विभाग के पूर्व पीएचडी शोधार्थी डॉ. विकाश कुमार का चयन इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईयूएसटी), कश्मीर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में सहायक प्राध्यापक पद पर हुआ है। उन्होंने डॉ. अंजनी कुमार झा के निर्देशन में 'सामाजिक जागरूकता के प्रसार में वेब मीडिया की भूमिका' विषय पर पीएचडी शोध पूरा किया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंसेज एंड आईसीटी के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला तथा शोध



निर्देशक डॉ. अंजनी कुमार झा ने उन्हें बधाई दी। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. विकाश कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद और परिवार के सहयोग को दिया।

दुर्गा पूजा को लेकर चाक-चौबंद रहेगी सुरक्षा, 833 स्थानों पर मजिस्ट्रेट व पुलिस बल तैनात

बीएनएम @ मोतिहारी

दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिले के सभी छह अनुमंडलों में 833 चिह्नित स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसे लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के संयुक्त हस्ताक्षर से आदेश जारी किया गया है। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को 17 अक्टूबर की सुबह से अपने-अपने निर्धारित स्थल पर तैनात रहने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा है कि पर्व के दौरान संवेदनशील स्थलों पर विशेष नजर रखी जाएगी। अफवाहों के कारण विधि-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। जिला और अनुमंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं, जो 24 घंटे कार्यरत रहेंगे। इसके साथ ही क्विक रिस्पांस टीम भी गठित की गई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में कुल 749 अस्थायी और 195 स्थायी मूर्तियों की स्थापना की सूचना है। सदर मोतिहारी अनुमंडल में 157 अस्थायी और 55 स्थायी, चकिया में 175 अस्थायी और 30 स्थायी, पकड़ीदयाल में 88 अस्थायी और आठ स्थायी, सिकरहना में 101 अस्थायी और छह स्थायी, रक्सौल में 126 अस्थायी और 26 स्थायी तथा अरेराज में 104 अस्थायी और 70 स्थायी मूर्तियां स्थापित की जा रही हैं। मूर्तियों का विसर्जन 21 से 24 अक्टूबर के बीच निर्धारित है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट किया है कि दुर्गा पूजा के दौरान डीजे बजाने और अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। पूजा पंडालों के पास आतिशबाजी की भी अनुमति नहीं होगी। विसर्जन जुलूस निर्धारित तिथि और मार्ग से ही निकाले जाएंगे। विवादित रास्तों से जुलूस निकालने और उत्तेजक नारे लगाने पर रोक रहेगी। पूजा समितियों को बड़े पंडालों में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग द्वार बनाने, अग्नि सुरक्षा के इंतजाम करने और दर्शनार्थियों की सहायता के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती करने का निर्देश दिया गया है। महिला श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महिला स्वयंसेवक भी रखने को कहा गया है। वहीं, सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को संवेदनशील पूजा पंडालों के पास ऊंचे स्थानों पर वॉच टावर बनाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर और ड्रोन की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस बल आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ सूचना तंत्र को मजबूत करेगा। किसी भी छोटी-बड़ी घटना की सूचना तत्काल जिला या अनुमंडल नियंत्रण कक्ष को देने को कहा गया है। जिला प्रशासन ने सभी छह अनुमंडलों में वरीय अधिकारियों को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी है। सदर मोतिहारी में अपर समाहर्ता, पूर्वी चंपारण, सिकरहना में उप विकास आयुक्त, अरेराज में एडीएम लोक शिकायत, पकड़ीदयाल में एडीएम विभागीय जांच, चकिया में जिला बंदोबस्त पदाधिकारी और रक्सौल में अपर समाहर्ता भू-हदबंदी को प्रतिनियुक्त किया गया है। सदर अनुमंडल मोतिहारी में 232, सिकरहना में 119, पकड़ीदयाल में 111, अरेराज में 92, चकिया में 144 और रक्सौल में 136 चिह्नित स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त छतौनी बस स्टैंड स्थित पूजा पंडाल में डीआरडीए निदेशक डॉ. कुंदन कुमार और स्पोर्ट्स क्लब स्थित मेला में डीआरडीए निदेशक जयराम चौरसिया को प्रतिनियुक्त किया गया है। जिला और अनुमंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष 17 अक्टूबर की सुबह से 21 अक्टूबर तक अथवा विसर्जन समाप्त होने तक 24 घंटे कार्यरत रहेंगे। मोतिहारी शहर में छतौनी चौक, छतौनी बस स्टैंड, कचहरी चौक, राजा बाजार, बलुआ चौक, रघुनाथपुर, गांधी चौक, मधुबन छावनी चौक, दुर्गा चौक, जानपुल चौक, चांदमारी चौक और ज्ञान बाबू चौक पर भी नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं। अन्य अनुमंडलों में भी बड़े आयोजनों वाले स्थलों पर नियंत्रण कक्ष बनाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने जिलेवासियों से दुर्गा पूजा का त्योहार उमंग और उत्साह के साथ शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की है। उन्होंने पूजा पंडालों और सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा एवं स्वच्छता के नियमों का पालन करने तथा प्रशासन को सहयोग देने की अपील की। दोनों अधिकारियों ने जिलेवासियों को शारदीय नवरात्र के पावन पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

संक्षिप्त समाचार

दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च, सुरक्षा का दिया भरोसा



बीएनएम @ रामगढ़वा। शारदीय नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर रामगढ़वा पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने और आम लोगों में सुरक्षा का विश्वास जगाने के उद्देश्य से शुक्रवार को रामगढ़वा में पुलिस बल द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च रामगढ़वा थाना परिसर से शुरू होकर मेन रोड, बाजार, शंकर मंदिर, काली मंदिर और महावीर मंदिर सहित प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और दुकानदारों व नागरिकों को भयमुक्त होकर त्योहार मनाने का भरोसा दिलाया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व सर्किल इंस्पेक्टर अनुज कुमार पांडे और थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने संयुक्त रूप से किया। साथ में अपर थानाध्यक्ष सुमित कुमार, एसआई धर्मेंद्र कुमार, एसआई मनीष कुमार, चौकीदार संजय सिंह, रौशन पटेल, सोनू यादव, एसएसबी के जवान और जिला पुलिस बल के जवान शामिल रहे। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि पर्व के दौरान हुड़दंग करने और अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों से पुलिस सख्ती से निपटेगी।

करंट से मृत मानव बल के परिजनों को मिलेंगे 12.5 लाख रुपये, पेंशन का भी लाभ

बीएनएम @ तुरकौलिया। जयसिंहपुर बड़हरवा गांव में 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की मरम्मत के दौरान करंट लगने से मृत मानव बल आलोक कुमार के परिजनों को करीब 12.5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। इसके अलावा पात्र आश्रितों को पेंशन का लाभ भी दिया जाएगा। शुक्रवार को बिजली विभाग के अधिकारियों ने मृतक के चीवटही स्थित आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। विद्युत ग्रामीण के एसडीओ राजीव रंजन ने बताया कि मृतक के परिजनों को नेशनल इंश्योरेंस से चार लाख रुपये, केनरा बैंक से छह लाख रुपये तथा पीएफ और ईएसआई के मद में करीब 2.5 लाख रुपये की राशि देय होगी। यह राशि नियमानुसार नामित नॉमिनी और पात्र आश्रितों को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही मृतक के किसी एक आश्रित को विभागीय मानदेय पर नियोजित करने के लिए भी नियमानुसार अनुशंसा की जाएगी। एसडीओ ने बताया कि घटना की विभागीय स्तर पर जांच कराई जाएगी। जांच के दौरान यदि किसी अधिकारी या कर्मी की लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान शहरी विद्युत के एसडीओ राजीव कुमार मिश्रा, सुजीत कुमार समेत बिजली विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि गुरुवार को जयसिंहपुर बड़हरवा गांव में बिजली के तार की मरम्मत करने के दौरान आलोक कुमार करंट की चपेट में आ गए थे। हादसे में उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद से ही परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

105 वारंट और एक कुर्की का निष्पादन

बीएनएम @ बगहा। बगहा पुलिस ने शुक्रवार को विशेष अभियान चलाकर 105 वारंट और एक कुर्की का निष्पादन किया। विभिन्न मामलों में कई आरोपितों और वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, वाहन जांच अभियान के दौरान 679 वाहनों की जांच कर यातायात नियमों के उल्लंघन पर 1,28,500 रुपये जुर्माना वसूला गया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न थानों की पुलिस ने वारंट निष्पादन के साथ मद्यनिषेध कानून, आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता से जुड़े मामलों में भी कार्रवाई की। रामनगर थाना पुलिस ने मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की। अन्य थानों की पुलिस ने भी आरोपितों और वारंटियों को गिरफ्तार किया। कुछ गिरफ्तार वारंटियों को न्यायालय से रिकॉल मिलने के बाद मुक्त किया गया। एसपी ने बताया कि पुलिस का अभियान अपराध नियंत्रण, वारंट निष्पादन और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी है।

दुर्गा पूजा पंडालों का बीडीओ ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ बगहा। दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए बगहा-1 के बीडीओ प्रदीप कुमार ने विभिन्न पंचायतों के पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। उन्होंने महीपुर, बड़गांव, चौतरवा, इंग्लिशिया, सिंघाड़ी और मेहुड़ा पंचायतों के साथ बगहा-1 नगर परिषद क्षेत्र का भी जायजा लिया। इस दौरान पूजा पंडालों की व्यवस्था, मेला परिसर में दुकानों और श्रद्धालुओं के आवागमन की स्थिति की समीक्षा की गई। बीडीओ ने पूजा समितियों को सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने, भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने और सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्व में खलल डालने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन और पुलिस को देने की अपील की।

बेतिया स्टेशन चौक पर 113 किलो गांजा बरामद

बीएनएम @ पश्चिम चम्पारण । जिले के बेतिया में गांजा तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए स्टेशन चौक के पास 113 किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही चारपहिया गाड़ी (यूपी 16 एफएफ 8437) जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेलदारी निवासी मोहम्मद सहीम, पिता अब्दुल कयूम के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को गांजा तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस ने छावनी की ओर से तेज रफ्तार में आ रही संदिग्ध गाड़ी को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही चालक ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी और भागने लगा। इसके बाद पुलिस ने पीछा करते हुए स्टेशन चौक के पास घेराबंदी की और गाड़ी समेत चालक को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वाहन से 113 किलो गांजा बरामद हुआ। बताया जाता है कि भागने के दौरान तेज रफ्तार गाड़ी ने रास्ते में कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस से बचने की कोशिश के बावजूद आरोपी को पकड़ लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने गांजे की खेप पिपराकोठी पहुंचाने की बात कही है। उसके अनुसार, छावनी में किसी अन्य व्यक्ति ने उसे गांजा लदी गाड़ी सौंपी थी। पुलिस अब गांजे की खेप के स्रोत, उसके वास्तविक मालिक और तस्करी नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। जब्त वाहन और गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर मामले की आगे की जांच की जा रही है।

घोड़ासहन स्टेशन पर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल प्लेटफॉर्म के 100 मीटर हिस्से में धंसाव का आरोप

शिकायतें बंद होने के बाद दोबारा मरम्मत से उठे सवाल, निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच की मांग

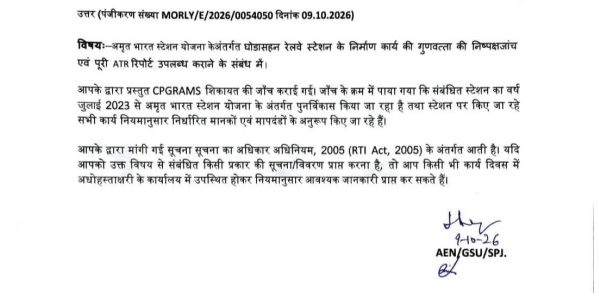
बीएनएम @ विक्की विजेन्द्र







घोड़ासहन/समस्तीपुर। समस्तीपुर रेल मंडल के अंतर्गत घोड़ासहन रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर तरह-तरह की सवाल खड़े होने लगे हैं। प्लेटफॉर्म नंबर- 2 के करीब 100 मीटर हिस्से में धंसाव की स्थिति उत्पन्न होने के आरोप और शिकायतों के निस्तारण के बाद उसी हिस्से में दोबारा मरम्मत कराए जाने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर निर्माण कार्य में संभावित खामियों, शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया और यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर निष्पक्ष तकनीकी जांच की मांग उठने लगी है। जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर पुरुषोत्तम चौधरी ने एडीआरएम को टैग करते हुए घोड़ासहन रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं और लापरवाही का मुद्दा उठाया था। इस मामले को BNM TV ने भी प्रमुखता से दिखाया था। अब प्लेटफॉर्म के एक हिस्से में दोबारा मरम्मत कराए जाने को लेकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही पर चर्चा तेज हो गई है। शिकायतकर्ता पुरुषोत्तम चौधरी का आरोप है कि उन्होंने स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य में सात अलग-अलग कमियों को चिह्नित करते हुए दो शिकायतें दर्ज कराई थीं। उनके अनुसार, दोनों शिकायतों को यह कहते हुए बंद कर दिया गया कि स्टेशन पर सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप किए जा रहे हैं। शिकायतकर्ता ने अब प्लेटफॉर्म नंबर- 2 के करीब 100 मीटर हिस्से में धंसाव की स्थिति और वहां दोबारा कराई जा रही मरम्मत को लेकर सवाल उठाए हैं। शिकायतकर्ता पुरुषोत्तम चौधरी का कहना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप किया गया था, तो संबंधित हिस्से में धंसाव जैसी स्थिति उत्पन्न होने की वजह क्या है? साथ ही, शिकायतों के निस्तारण के बाद उसी हिस्से की दोबारा मरम्मत कराने की आवश्यकता क्यों पड़ी, इसे भी स्पष्ट किया जाना चाहिए। श्री चौधरी का आरोप है कि निर्माण कार्य में सामने आई सात कमियों का समुचित निराकरण करने के बजाय केवल सतही मरम्मत की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र तकनीकी पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए संबंधित स्थल का निरीक्षण, तकनीकी जांच और निर्माण से जुड़े अभिलेखों की समीक्षा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट किया जाना आवश्यक होगा कि प्लेटफॉर्म के संबंधित हिस्से में धंसाव की स्थिति किस कारण उत्पन्न हुई और दोबारा मरम्मत किन तकनीकी आधारों पर कराई जा रही है। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि समस्या निर्माण की गुणवत्ता से जुड़ी है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। उक्त मामले में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की आधिकारिक प्रतिक्रिया और आगे की कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि संबंधित हिस्से की तकनीकी जांच कराई गई है या नहीं। निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी करने वाले अधिकारियों तथा संबंधित ठेकेदार की जिम्मेदारी को लेकर भी स्थिति स्पष्ट होनी बाकी है। यदि जांच में निर्माण कार्य के दौरान निर्धारित मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप पाया जाता है, तो रेलवे प्रशासन को तकनीकी तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि शिकायतों को लेकर बनी असमंजस की स्थिति दूर हो सके। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म यात्रियों की आवाजाही और सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में प्लेटफॉर्म के किसी हिस्से में धंसाव की आशंका या निर्माण की गुणवत्ता से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लिया जाना आवश्यक है। समय रहते तकनीकी जांच और जरूरी सुधार होने से संभावित जोखिमों को कम किया जा सकता है। घोड़ासहन स्टेशन के मामले में निष्पक्ष जांच से न केवल शिकायतों की वास्तविकता सामने आएगी, बल्कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मरम्मत की आवश्यकता और जिम्मेदार पक्षों की भूमिका भी स्पष्ट हो सकेगी। इससे भविष्य में ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने में भी मदद मिलेगी।फिलहाल, शिकायतकर्ता के आरोपों की स्वतंत्र तकनीकी पुष्टि और रेलवे प्रशासन का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि रेलवे के संबंधित अधिकारी मामले की जांच कराकर प्लेटफॉर्म की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करते हैं या नहीं।



उत्तर (पंजीकरण संख्या MORLY/E/2026/0054050 दिनांक 09.10.2026)

विषय:—अमृत भारत स्टेशन योजना केअंतर्गत घोड़ासहन रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्षजांच एवं पूरी ATR रिपोर्ट उपलब्ध कराने के संबंध में।

आपके द्वारा प्रस्तुत CPGRAMS शिकायत की जाँच कराई गई। जाँच के क्रम में पाया गया कि संबंधित स्टेशन का वर्ष जुलाई 2023 से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास किया जा रहा है तथा स्टेशन पर फिए जा रहे सभी कार्य नियमानुसार निर्धारित मानकों एवं मापदंडों के अनुरूप फिए जा रहे हैं।

आपके द्वारा मांगी गई सूचना सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (RTI Act, 2005) के अंतर्गत आती है। यदि आपको उक्त विषय से संबंधित किसी प्रकार की सूचना/विवरण प्राप्त करना है, तो आप किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित होकर नियमानुसार आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

9-10-26
AEN/GSU/SPJ.

हत्या के प्रयास और शराब कांड के पांच आरोपित गिरफ्तार



बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र में फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित हत्या के प्रयास, शराब कांड और गैर-जमानतीय वारंट समेत विभिन्न मामलों में वांछित थे। पुलिस ने पूछताछ के बाद शुक्रवार को सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान पांचों आरोपित पुलिस की गिरफ्त में आए। पुलिस के अनुसार, इन मामलों में आरोपितों की तलाश की जा रही थी। थानाध्यक्ष श्री कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए फरार आरोपितों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है।

25 किलो गांजा सहित एक तस्कर गिरफ्तार

सफेद ऑल्टो कार से बरामद हुई गांजे की खेप, चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान मिली सफलता

बीएनएम @ रक्सौल



नेपाल सीमा से सटे रक्सौल में पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस दौरान गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जबकि तस्करी में प्रयुक्त सफेद रंग की ऑल्टो कार को भी जब्त कर लिया गया। संयुक्त कार्रवाई का नेतृत्व रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मनीष कुमार आनंद ने किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल की ओर से हरैया थाना क्षेत्र के सिवान टोला के रास्ते एक सफेद ऑल्टो कार में भारी मात्रा में गांजा रक्सौल लाया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया और तत्काल छापेमारी दल का गठन किया गया। इसके बाद संयुक्त टीम ने सिवान टोला स्थित चेकपोस्ट के समीप सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान संदिग्ध ऑल्टो कार (रजिस्ट्रेशन नंबर BR06CM9324) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में कार के डैशबोर्ड के अंदर काले और लाल रंग की प्लास्टिक में लिपटे 12 बंडल गांजा बरामद हुए। जब्त गांजे का कुल वजन 25 किलोग्राम पाया गया। कार चालक को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिकु पटेल (30 वर्ष), पिता स्वर्गीय अम्बिका राउत, निवासी सिवान टोला, थाना हरैया, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी को हरैया थाना ले जाकर उसके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है। इस कार्रवाई में एसडीपीओ रक्सौल मनीष कुमार आनंद, 47वीं वाहिनी एसएसबी धुपवा टोला (रक्सौल) के सहायक कमांडेंट दीपांशु चौहान, अंचल पुलिस निरीक्षक छौड़ादानो रंजय कुमार, हरैया थानाध्यक्ष पुअनि किशन कुमार पासवान, प्रशिक्षु पुअनि मंजीत कुमार, 47वीं वाहिनी एसएसबी के मुख्य आरक्षी छोटे लाल यादव तथा हरैया थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। संयुक्त टीम की इस कार्रवाई को सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मामले में पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी है।

बकायेदार ऋणी गिरफ्तार, 1,547 से अधिक के खिलाफ नीलामवाद दायर

बीएनएम @ शिवहर



बिहार ग्रामीण बैंक की शिवहर शाखा के क्षेत्र में बकाया ऋण की वसूली को लेकर चूककर्ता ऋणियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिला नीलामवाद पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, शिवहर के निर्देशानुसार शिवहर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नगर पंचायत शिवहर के वार्ड संख्या-12 निवासी मो. वकील के पुत्र मो. सैफ अली को गिरफ्तार किया है। उन पर बैंक ऋण की अदायगी नहीं करने का आरोप है। बैंक से मिली जानकारी के अनुसार, बिहार ग्रामीण बैंक के सीतामढ़ी एवं शिवहर क्षेत्र की सभी शाखाओं में बकाया ऋण की वसूली के लिए पुलिस बल के सहयोग से कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस क्रम में 1,547 से अधिक चूककर्ता ऋणियों के विरुद्ध जिला नीलाम कार्यालय में मामले दायर किए गए हैं। वहीं, जिला नीलाम कार्यालय की ओर से 400 से अधिक ऋणियों के खिलाफ वारंट जारी किए जाने की जानकारी दी गई है। बिहार ग्रामीण बैंक ने बकाया ऋण रखने वाले ग्राहकों से अपील की है कि वे अपने पुराने ऋण खातों को बंद कराने के लिए उपलब्ध अवसर का लाभ उठाएं। बैंक के अनुसार, पात्र ऋणधारक अपने बकाया ऋण के निपटारे में संभावित छूट एवं अन्य शर्तों की जानकारी संबंधित शाखा से प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ग्राहकों को अपने नजदीकी बैंक शाखा से संपर्क कर एकमुश्त भुगतान के माध्यम से ऋण खाते का निपटारा कराने की पहल करनी चाहिए। बैंक प्रबंधन ने चेतावनी दी है कि ऋण वसूली की कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ने पर ग्राहकों को उपलब्ध रियायतों का लाभ मिलना कठिन हो सकता है। इसलिए ऋणधारकों से समय रहते बैंक से संपर्क कर बकाया राशि का निपटारा करने की अपील की गई है। बिहार ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक ने कहा कि बकाया ऋण चुकाकर पुराने ऋण खातों को बंद कराने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने ऋणधारकों से अपील की कि वे कानूनी कार्रवाई की स्थिति उत्पन्न होने से पहले अपनी नजदीकी शाखा में संपर्क करें और अपने ऋण के निपटारे की प्रक्रिया पूरी करें। बैंक प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि बकाया ऋण की वसूली के लिए नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। ऐसे में ऋणधारकों को सलाह दी गई है कि वे समय रहते बैंक से संपर्क कर अपने ऋण संबंधी मामलों का समाधान कराएं।

दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च

बीएनएम @ रामगढ़वा/पलनवा



शारदीय नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर पलनवा थाना पुलिस ने शुक्रवार को क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च पलनवा थाना परिसर से शुरू होकर बजरंग चौक मेन रोड, पखनहिया बाजार, भरवलिया चौक, सौनाहा बाजार, जैतापुर चौक, तपसी परसौना सहित प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और स्थानीय दुकानदारों व नागरिकों को भयमुक्त होकर पर्व मनाने का भरोसा दिलाया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने किया। उनके साथ अपर थानाध्यक्ष भीम कुमार सिंह, एसआई सुबोध कुमार, चौकीदार उज्जैन पटेल, संतोष कुमार, विदया पासवान, सुनील कुमार सहित एसएसबी के जवान और जिला पुलिस बल के जवान शामिल रहे। वहीं, पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कहा कि पर्व के दौरान हुड़दंग मचाने और अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा।

जिहुली पंचायत में धूमधाम से संपन्न हुआ मां दुर्गा का बेल नेवतन, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

बीएनएम @ पताही



प्रखंड क्षेत्र की जिहुली पंचायत में दुर्गा पूजा के अवसर पर मां दुर्गा के बेल नेवतन का धार्मिक अनुष्ठान हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच आयोजित इस अनुष्ठान से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दुर्गा पूजा में बेल नेवतन की विशेष महत्ता है। इस परंपरा के तहत बेल वृक्ष को विधिवत निमंत्रण देकर मां दुर्गा की आराधना से जुड़े अनुष्ठानों का निर्वहन किया जाता है। इसी परंपरा के तहत जिहुली पंचायत में बेल नेवतन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। बेल नेवतन के धार्मिक आयोजन में पदमाक्ष रंजन उर्फ शास्त्री जी, श्रीनाथ शर्मा, रजनीश कुमार, अभिराज कुमार उर्फ तंतु सिंह एवं अभिराम कुमार सहित कई लोग शामिल हुए। आयोजन के दौरान स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। जिहुली पंचायत में बेल नेवतन के आयोजन के साथ ही दुर्गा पूजा को लेकर उत्सवी माहौल और अधिक उत्साहपूर्ण हो गया है। इस धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक आस्था एवं परंपराओं की झलक देखने को मिली। वहीं, श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना में जुटे हैं और पूजा को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

सपा भी खेल में शामिल

वैसे उत्तर प्रदेश के मुसलमानो के मन में कोई भ्रम नहीं है। वे अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के साथ हैं क्योंकि उनको लग रहा है कि सपा ही इस बार भाजपा से लडऩे वाली मुख्य ताकत है। पिछले लोकसभा चुनाव मे उन्होंने देखा कि भाजपा के समर्थक मतदाताओं में भी अगर भाजपा से नाराजगी होती है तो वे भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ जाते हैं। संविधान और आरक्षण पर खतरे से जो वर्ग नाराज हुआ वह भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ गया और तभी लोकसभा में सपा 37 सीट जीत कर उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनी। उसके साथ तालमेल का फायदा कांग्रेस को भी हुआ। सो, मुस्लिम मतदाताओं के मन में कोई भ्रम नहीं है। फिर भी कांग्रेस के नेता इस कोशिश में लगे हैं कि किसी तरह से समाजवादी पार्टी के मन में यह आशंका पैदा की जाए कि मुस्लिम कांग्रेस के साथ जा सकता है। इसका मकसद दबाव बना कर विधानसभा की ज्यादा सीटें हासिल करना है। हालांकि सपा को हकीकत पता है। जब लोकसभा चुनाव में मुस्लिम उसके साथ आया तो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ क्यों जाएगा। इसके बावजूद सपा भी इस खेल में शामिल है। सपा ने पिछले दिनों कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के दामाद को अपनी पार्टी में शामिल कराया। इसके जवाब में कांग्रेस ने बसपा और एमआईएम के कई मुस्लिम नेताओं को पार्टी में शामिल कराया है। एमआईएम के मुखर नेता आसिम वकार पिछले दिनों कांग्रेस में शामिल हुए। अब बसपा सरकार में मंत्री रहे इजहारुल हक और 2024 में बसपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े नईम अहमद को पार्टी में शामिल कराया। इससे पहले पूर्व सांसद आमिर आलम खान और उनके बेटे नवाजिश आलम खान भी कांग्रेस में शामिल हुए। नवाजिश पहले विधायक रह चुके हैं। दोनों पिता पुत्र कई पार्टियों में रहे हैं। आमिर आलम रालोद से कैराना के सांसद रहे हैं।

पोषण पुनर्वास केंद्र से लौट रही बच्चों के चेहरे की मुस्कान

कुपोषण की पीड़ा से स्वस्थ और खुशहाल बचपन की ओर बढ़ रहे बच्चे

बढ़ता वजन सिर्फ तराजू पर बढ़ती संख्या नहीं, लौटती ताकत, मुस्कान और बचपन की कहानी है

बचपन यानी खेलना, दौडऩा, हंसना, सीखना और सपने देखना। लेकिन जब कोई बच्चा कुपोषण की गिरफ्त में आता है तो कमजोरी उसके शरीर के साथ उसके सामान्य बचपन को भी प्रभावित करने लगती है। ऐसे बच्चों को समय पर उपचार और पोषण देकर स्वस्थ जीवन की ओर वापस लाने में पोषण पुनर्वास केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान के बीच सरगुजा जिले के शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) से सामने आ रही बच्चों की कहानियां इसी बदलाव की तस्वीर पेश करती हैं। यहां कुपोषित बच्चों को चिकित्सकीय देखभाल और पोषण पुनर्वास के साथ माता-पिता को भी बच्चे के खान-पान और देखभाल से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जा रही है।

यहां किसी बच्चे का बढ़ता हुआ वजन महज तराजू पर बदलता आंकड़ा नहीं है। उसके पीछे बच्चे की बेहतर होती पोषण स्थिति, माता-पिता की उम्मीद और स्वास्थ्यकर्मियों की सतत देखभाल जुड़ी है। यह उस बचपन को वापस पाने की कोशिश है, जिसे कुपोषण ने कमजोर कर दिया था।

कुपोषण केवल कम वजन की समस्या नहीं: कुपोषण को केवल बच्चे के दुबले या कमजोर दिखाई देने तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। गंभीर कुपोषण बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता और वृद्धि-विकास को प्रभावित कर सकता है। लंबे समय तक पर्याप्त पोषण नहीं मिलने का असर बच्चे के शारीरिक विकास के साथ सीखने और सामान्य गतिविधियों में उसकी भागीदारी पर भी पड़ सकता है। यही कारण है कि कुपोषण की समय पर पहचान और उपचार महत्वपूर्ण है। बच्चे को उचित पोषण और चिकित्सकीय देखभाल देकर स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाना उसके वर्तमान स्वास्थ्य के साथ भविष्य में निवेश भी है।

जहां उपचार के साथ लौटता है बचपन: पोषण पुनर्वास केंद्र गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के उपचार और पोषण पुनर्वास की महत्वपूर्ण व्यवस्था है। यहां बच्चे की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति की निगरानी, आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल और पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के साथ माता-पिता को बच्चे की देखभाल तथा खान-पान से जुड़ी जानकारी भी दी जाती है। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल बच्चे का वजन बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाना और परिवार को ऐसी जानकारी देना भी है जिससे घर लौटने के बाद बच्चे के पोषण का बेहतर ध्यान रखा जा सके।

20 बिस्तरों का केंद्र, सैकड़ों बच्चों के लिए उम्मीद: शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित 20 बिस्तरों वाला पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषित बच्चों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद का केंद्र बन रहा है।

वर्ष 2021-22 में यहां 189 बच्चों के उपचार के साथ दर्ज दर 73 प्रतिशत थी। अप्रैल से सितम्बर 2026 की अवधि में 248 बच्चों के उपचार के साथ यह दर बढ़कर 88 प्रतिशत दर्ज की गई है।इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की अनेक कहानियां हैं जो



अपने कमजोर बच्चे को लेकर चिंता के साथ केंद्र पहुंचे और उपचार एवं पोषण पुनर्वास के बाद बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद लेकर घर लौटे। शिवाशी, रश्मि, प्रतीक और युवराज के बढ़ते वजन में दिखी उम्मीद

केंद्र में उपचार प्राप्त करने वाले बच्चों के रिकॉर्ड इस बदलाव को और स्पष्ट करते हैं। शिवाशी का वजन 7.6 किलोग्राम से बढ़कर 8.840 किलोग्राम, रश्मि का 9.3 किलोग्राम से 10.720 किलोग्राम, प्रतीक का 8.5 किलोग्राम से 9.370 किलोग्राम तथा युवराज का वजन 12 किलोग्राम से बढ़कर 13.980 किलोग्राम दर्ज किया गया।

ये आंकड़े केवल वजन में आए बदलाव को नहीं बताते, बल्कि उपचार और पोषण पुनर्वास के बाद बेहतर वृद्धि की दिशा में बच्चों के बढ़ते कदमों की तस्वीर भी प्रस्तुत करते हैं। हर बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति अलग होती है और केवल वजन बढऩे के आधार पर संपूर्ण स्वास्थ्य का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इसके बावजूद नियमित निगरानी में वजन और वृद्धि में सुधार बच्चे की पोषण स्थिति का आकलन करने के महत्वपूर्ण संकेतकों में शामिल हैं।

बढ़ता वजन यानी लौटती उम्मीद: कुपोषण से कमजोर बच्चा कई बार अपनी उम्र के दूसरे बच्चों की तरह सामान्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी नहीं कर पाता। बीमारी और कमजोरी परिवार की चिंता भी बढ़ाती है। ऐसे में उपचार और उचित पोषण के बाद जब बच्चे की स्थिति में सुधार दिखाई देता है, तो यह पूरे परिवार के लिए राहत लेकर आता है। माता-पिता के लिए बच्चे का स्वस्थ होना किसी आंकड़े से कहीं अधिक मायने रखता है। इसीलिए पोषण पुनर्वास केंद्र में किसी बच्चे का बढ़ता वजन केवल तराजू पर बढ़ती संख्या नहीं है। वह बच्चे की बेहतर होती पोषण स्थिति के साथ परिवार में लौटती उम्मीद की कहानी भी है। अस्पताल से घर तक जारी रहती है सुपोषण की यात्रा: एनआरसी में उपचार पूरा होना महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन बच्चे को कुपोषण से दूर रखने की जिम्मेदारी इसके बाद भी जारी रहती है। घर लौटने के बाद उम्र के अनुसार पर्याप्त और विविध आहार, स्वच्छता, बीमारी के दौरान उचित देखभाल तथा बच्चे की वृद्धि की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए एनआरसी में माता-पिता को बच्चे के पोषण और देखभाल से संबंधित व्यवहार की जानकारी देना उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उद्देश्य यह है कि परिवार स्वयं भी बच्चे की पोषण स्थिति को बेहतर बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी करे। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग सहित संबंधित अमले का समन्वय इस व्यवस्था को और मजबूत बनाता है। एक ओर स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार एवं पोषण पुनर्वास और दूसरी ओर समुदाय स्तर पर आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से निगरानी और मार्गदर्शन—दोनों मिलकर कुपोषण के विरुद्ध प्रभावी व्यवस्था तैयार करते हैं।

स्वस्थ बच्चा यानी स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव: बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्ष उसके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। पर्याप्त पोषण मिलने पर बच्चा स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ता है, अधिक सक्रिय रह सकता है और सीखने तथा सामाजिक गतिविधियों में बेहतर भागीदारी कर सकता है। इसलिए किसी बच्चे को कुपोषण से बाहर निकालने का प्रयास केवल वर्तमान बीमारी या कमजोरी का उपचार नहीं है। यह उसके बेहतर बचपन और भविष्य को मजबूत करने की दिशा में किया गया निवेश भी है। स्वस्थ और सुपोषित बच्चे ही स्वस्थ समाज और मजबूत मानव संसाधन की नींव बनते हैं। कुपोषण से लड़ाई अस्पताल से घर की थाली तक: कुपोषण से मुकाबला केवल अस्पताल के बिस्तर पर नहीं किया जा सकता। इसकी सफलता बच्चे की घर की थाली, माता-पिता की जागरूकता, आंगनबाड़ी की निगरानी, स्वास्थ्यकर्मियों की सलाह और समय पर उपचार की संयुक्त व्यवस्था पर निर्भर करती है। पोषण पुनर्वास केंद्र की वास्तविक सफलता भी इसी में है कि उपचार के बाद बच्चा बेहतर पोषण स्थिति के साथ घर लौटे और परिवार उन व्यवहारों को अपनाए जो उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद करें। अम्बिकापुर के एनआरसी में बच्चों के उपचार और पोषण पुनर्वास के साथ परिवारों को जागरूक करने का प्रयास इसी सोच को आगे बढ़ा रहा है। हर बच्चे को मिले स्वस्थ बचपन का अवसर : कुपोषण किसी बच्चे की पहचान नहीं है। यह ऐसी स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी स्थिति है, जिसकी समय पर पहचान, उपचार और निरंतर देखभाल से बच्चे को स्वस्थ वृद्धि की राह पर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा सकता है।

सेवा संकल्प अभियान के बीच अम्बिकापुर के पोषण पुनर्वास केंद्र की ये कहानियां बताती हैं कि सेवा का सबसे मानवीय रूप तब दिखाई देता है, जब कमजोर बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार आता है और परिवार के चेहरे पर चिंता की जगह उम्मीद लौटती है।

20 बिस्तरों वाला यह केंद्र इसलिए केवल एक स्वास्थ्य सुविधा नहीं है। यहां उपचार पाने वाला हर बच्चा कुपोषण से सुपोषण, कमजोरी से बेहतर स्वास्थ्य और मुश्किलों से खुशहाल बचपन की ओर बढ़ती एक नई कहानी है। और जब किसी बच्चे का वजन बढ़ता है, उसकी सक्रियता लौटती है और परिवार उसे फिर स्वस्थ होते देखता है, तब सेवा का वास्तविक अर्थ सामने आता है— बढ़ता वजन सिर्फ तराजू पर बढ़ती संख्या नहीं, बल्कि लौटती ताकत, मुस्कान और बचपन की कहानी है।

शारदीय नवरात्रि: माँ दुर्गा की आराधना से नारी शक्ति का जागरण

श्रीमती सावित्री

नौ दिन की साधना, आत्मबल और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प

भारतीय संस्कृति में शारदीय नवरात्रि शक्ति, श्रद्धा, साधना और आत्मशुद्धि का पावन पर्व है। माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना हमें जीवन में साहस, संयम, धैर्य, करुणा और आत्मविश्वास अपनाने की प्रेरणा देती है। ये नौ दिन केवल पूजा-अर्चना का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर की शक्ति को पहचानने और समाज के प्रति अपने दायित्वों का संकल्प लेने का समय भी हैं। नवरात्रि का प्रत्येक दिन एक विशेष संदेश लेकर आता है। माँ शैलपुत्री दृढ़ संकल्प, माँ ब्रह्मचारिणी तपस्या और अनुशासन, माँ चंद्रघंटा साहस तथा माँ कूष्मांडा सृजनशीलता की प्रेरणा देती हैं। माँ स्कंदमाता वात्सल्य, माँ कात्यायनी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, माँ कालरात्रि निर्भयता, माँ महागौरी पवित्रता और माँ सिद्धिदात्री साधना की पूर्णता का संदेश देती हैं। व्रत, ध्यान, मंत्र-जप और सेवा के माध्यम से हम मन को एकाग्र कर सकते हैं तथा अपने जीवन में सकारात्मकता और अनुशासन ला सकते हैं। सच्ची साधना वही है, जो हमारे विचारों को शुद्ध करे, व्यवहार में संवेदनशीलता लाए और हमें दूसरों के कल्याण के लिए प्रेरित करे।

माँ की आराधना और नारी शक्ति का सम्मान: भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। माँ दुर्गा का स्वरूप हमें याद दिलाता है कि नारी में ममता और करुणा के साथ साहस, नेतृत्व और संघर्ष की अद्भुत क्षमता भी विद्यमान है। आज महिलाएँ शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, उद्यमिता, कृषि और राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परिचय दे रही हैं। नारी शक्ति का वास्तविक सम्मान केवल देवी की पूजा तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बेटी को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आगे बढऩे के समान अवसर मिलें। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके निर्णयों का सम्मान करने और भेदभाव से मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयास ही माँ की आराधना को वास्तविक अर्थ प्रदान करते हैं। जब एक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर बनती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है।



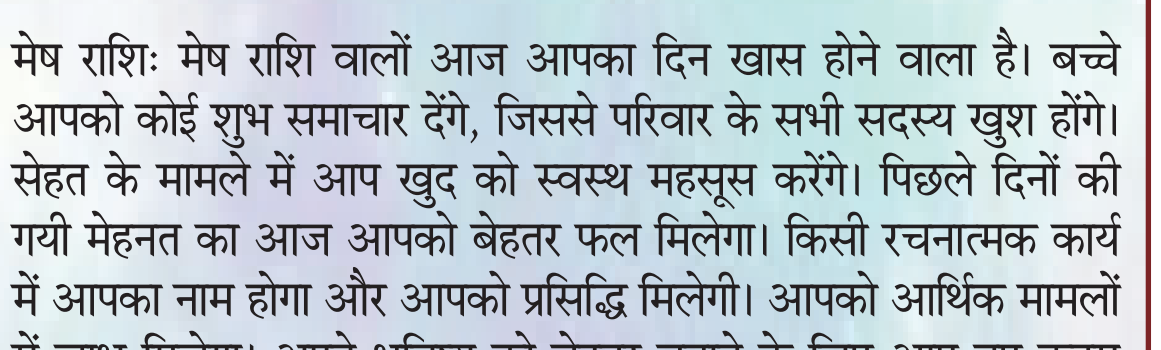
इसलिए महिला सशक्तीकरण केवल महिलाओं के विकास का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नारी सम्मान से राष्ट्र निर्माण तक: महिला एवं बाल विकास की नई दृष्टि: महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और अवसरों से परिपूर्ण वातावरण तैयार करना है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, बालिकाओं की शिक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे विषय हमारे सामूहिक प्रयासों की प्राथमिकता हैं। महिला सशक्तीकरण को राष्ट्र के विकास का अभिन्न अंग बनाने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। सरकार की सोच महिलाओं के विकास तक सीमित न रहकर उन्हें विकास का नेतृत्वकर्ता बनाने की है। इसी दिशा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' ऐतिहासिक पहल है, जिसके माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई अर्थात 33 प्रतिशत सीटों के आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किया गया। यह पहल देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और निर्णय-निर्माण में उनकी भूमिका सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र सरकार ने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण के साथ उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दी है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करता है। मिशन शक्ति महिलाओं की सुरक्षा, सहायता और सशक्तीकरण पर केंद्रित है, जबकि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 मातृ एवं बाल पोषण को मजबूती प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पात्र गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नवरात्रि पर लें नारी सम्मान और सेवा का संकल्प: शारदीय नवरात्रि हमें सिखाती है कि शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल सामर्थ्य नहीं, बल्कि उसका उपयोग सत्य, न्याय और लोककल्याण के लिए करना है। इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि बेटियों को आगे बढऩे के अवसर देंगे, महिलाओं के योगदान का सम्मान करेंगे और जरूरतमंद बच्चों एवं महिलाओं की सहायता के लिए आगे आएँगे। आइए, इन नौ दिनों की साधना को अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनाएँ। हमारी आस्था आत्मबल बने, हमारी भक्ति सेवा का मार्ग प्रशस्त करे और हमारे संकल्प महिला सशक्तीकरण तथा बाल कल्याण को नई दिशा दें। माँ दुर्गा से प्रार्थना है कि उनकी कृपा से प्रत्येक परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आए, प्रत्येक महिला को आत्मसम्मान एवं आत्मनिर्भरता की शक्ति मिले और प्रत्येक बेटी अपने सपनों को साकार कर सके। हम सब मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान दें, जहाँ नारी का सम्मान हो, बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो और समान अवसर प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचें। आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ। जय माता दी!

लेखिका महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री हैं।



मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन खास होने वाला है। बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। पिछले दिनों की गयी मेहनत का आज आपको बेहतर फल मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नए कदम उठाएंगे, जिसमें आप सफल भी होंगे। शुभ अंक – 6

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा। आज आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे, वे आपका अनुसरण करेगा। आज आपको कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आज आपको मनपसंद कंपनी से इंटरव्यू के लिए बुलावा आएगा। आज आप धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे। शुभ अंक – 3

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए कोई फैसला करना कठिन होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कैंसिल हो सकता है। आज आपका मन अध्यात्म की ओर रहेगा । शुभ अंक – 2

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक कोई रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आएंगे। आज आपको किसी भी कोर्ट कचहरी के मामले में पडऩे से बचना चाहिए। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। शुभ अंक – 2

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। साथ ही आज का दिन कम मेहनत में ज्यादा लाभ दिलाने वाला रहेगा । शुभ अंक – 4

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें, इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। आज घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिए अच्छा रहेगा। शुभ अंक – 3

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से रिलेटिड कोई शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आज आप दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताएंगे। जो लोग मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी। । शुभ अंक – 5

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। बिजनेस में बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। शुभ अंक – 9

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, लेकिन किसी सहकर्मी की मदद से पूरा करने में सफल होंगे। इस राशि के छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आज घर में बेटी की तरक्की से परिवार का माहौल खुशी से भरा रहेगा। शिक्षकों के ट्रान्सफर में आ रही रुकावटें आज समाप्त होंगी। छात्र आज कोई कंप्यूटर कोर्स सीखने का मन बनाएंगे। शुभ अंक – 1

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आपको सबका पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। माता-पिता आपको कोई बड़ा गिफ्ट देंगे । शुभ अंक – 9

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में बीत सकता है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक कोई बड़ा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। आपके काम से जीवनसाथी को प्रसन्नता होगी। आज शाम तक कोई शुभ समाचार मिलने से घर में खुशियों का माहौल बनेगा। लवमेट मूवी देखने जाएंगे। शुभ अंक – 7

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे।

भारत की अगली बड़ी छलांग साझेदारी पर क्यों आधारित होनी चाहिए

गजेंद्र सिंह शेखावत

भारत में गंतव्य स्थलों की कभी कोई कमी नहीं रही है। कमी अगर रही है, तो बस उस संस्थागत परिकल्पना की, जिसके जरिये दुनिया इन स्थलों को जानने में सक्षम हो सके, वहाँ पहुँच सके, उन्हें अनुभव कर सके और सबसे ज़रूरी बात—वहाँ बार-बार जा सके।

हमारी सांस्कृतिक विरासत बेमिसाल है: यहाँ सब कुछ है – प्राचीन शहर और जीवंत परंपराएँ, पवित्र परिदृश्य और वन्यजीव, वास्तुकला और शिल्प, खान-पान और त्योहार, पहाड़ और समुद्र तट, आदि। लेकिन सिफ़र् विरासत से ही पर्यटन नहीं बनता। कोई स्मारक अपने-आप में गंतव्य स्थल नहीं होता; एक गंतव्य स्थल असल में एक पूरा इकोसिस्टम होता है। इसमें शामिल हैं—वहाँ तक ले जाने वाली सड़क, यात्रा से जुड़ी कहानी, यात्रियों का स्वागत करने वाला आतिथ्य, उसे असली पहचान देने वाले कारीगर, उसे खोजने में मदद करने वाली तकनीक और वह समुदाय जिसकी भागीदारी यह तय करती है कि पर्यटन एक आर्थिक अवसर बनेगा या बस एक अनुचित प्रवेश रह जाएगा। इसीलिए भारतीय पर्यटन के अगले अध्याय को सिफ़र् पर्यटन स्थलों के नज़रिए से नहीं, बल्कि साझेदारी के नज़रिए से भी तय किया जाना चाहिए। पर्यटन का पुरानी संरचना काफ़ी हद तक ऊपर से नीचे की ओर श्रेणीबद्ध थी। सरकारें अवसंरचना बनाती थीं, गंतव्य स्थलों को बढ़ावा दिया जाता था, उद्योग जगत पर्यटकों के आने-जाने और ठहरने की व्यवस्था करता था और समुदाय काफ़ी हद तक हाशिए पर रहते थे। नयी संरचना सबकी बराबर भागीदारी वाली होनी चाहिए। सरकार, उद्योग जगत, प्रौद्योगिकी कंपनियां, रचनाकार, निवेशक, राज्य, स्थानीय निकाय और समुदायों को मिलकर पर्यटन के अनुभव का निर्माण करना चाहिए। यह फ़र्क सिफ़र् शब्दों का नहीं है। यह विकास को समझने के हमारे नज़रिए में एक बुनियादी बदलाव को दिखाता है। आज पर्यटन का मतलब सिफ़र् लोगों का एक जगह से दूसरी जगह जाना नहीं है। यह विचारों, कहानियों, उम्मीदों, पूंजी और सांस्कृतिक प्रभाव का आवागमन है। यात्री अब सिफ़र् भारत को देखना नहीं चाहते, बल्कि उसे अनुभव करना चाहते हैं — लोग खान-पान का स्वाद लेना, परंपराओं को समझना, घरों में जाना, कारीगरों से मिलना और यहाँ की जीवंत संस्कृति में, चाहे थोड़ी देर के लिए ही सही, भाग लेना चाहते हैं। यह बदलाव भारत के लिए एक शानदार अवसर लेकर आया है। लेकिन बिना तालमेल के अवसर का लाभ शायद ही मिल पाता है। इसलिए सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, भले ही यह बदलती रहती हो। इसकी ज़िम्मेदारी सब कुछ खुद करने की नहीं है; बल्कि ज़्यादा चीज़ों को संभव बनाने की है। सड़कों, हवाईअड्डों, रेलवे, स्वच्छता, डिजिटल अवसंरचना, विरासत संरक्षण और नागरिक सुविधाओं में सरकारी निवेश वह आधार तैयार करता है, जिस पर निजी क्षेत्र नवाचार और निवेश कर सकता है। राजनीतिक इच्छाशक्ति निरंतरता और दिशा देती है। उद्योग जगत पूंजी, प्रबंधन विशेषज्ञता, तकनीक और बाज़ार तक पहुंच में योगदान देता है। समुदाय वह चीज़ देते हैं, जिसे कोई सरकार या निगम नहीं बना सकता: प्रामाणिकता। असली चुनौती इन क्षमताओं को एक साथ लाने की है। उद्योग जगत के साथ पर्यटन मंत्रालय का बढ़ता जुड़ाव इसी दिशा में एक प्रयास है। ग्यारह रणनीतिक समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप दिया गया है, जिनमें से पांच का विश्व पर्यटन दिवस 2026 को आदान-प्रदान हुआ है। उनका महत्व केवल दस्तावेजों को लेकर नहीं है, बल्कि उन क्षमताओं में है, जिन्हें वे जोडऩा चाहते हैं – प्रौद्योगिकी, आवागमन, आतिथ्य, कंटेंट, डिजिटल आउटरीच और स्थानीय उद्यम। गंतव्य स्थल की खोज करने के बदलते अर्थशास्त्र पर विचार करें। एक पीढ़ी पहले, किसी यात्री को यात्रा गाइड या विज्ञापन के माध्यम से भारत की जानकारी मिलती होगी। आज, एक गंतव्य स्थल एक फिल्म, एक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, एक रचनाकार की कहानी या मोबाइल फोन में सामने आई एक छवि के माध्यम से वैश्विक परिकल्पना में प्रवेश कर सकता है। नेटफ्लिक्स के साथ सहयोग गंतव्य प्रचार की इस नई व्यवस्था को प्रदर्शित करता है, जो भारत की संस्कृति, वन्य जीवन और पहाड़ी परिदृश्यों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने दिखाती है। आईटीबी बर्लिन 2026 में प्रदर्शित भारत के स्वाद और लंदन व न्यूयॉर्क में प्रचार अभियान यह दर्शाते हैं कि कैसे पर्यटन का भूगोल; कहानी कहने के भूगोल से पहले ही महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन कहानी सुनाने से अंततः यात्रा करने का कारण अवश्य मिलना चाहिए। यहीं पर अगली पीढ़ी की साझेदारी महत्वपूर्ण हो जाती है। मास्टरकार्ड के साथ विकसित परियोजना वाराणसी बहुमूल्य, विज्ञापन से परे एक ऐसे अनुभव की ओर बढ़ता है, जिसे वास्तव में खोजा और आरक्षित किया जा सकता है: सूर्योदय के समय गंगा, शास्त्रीय संगीत, साहित्य पर बातचीत, बनारसी बुनकर समुदाय और विरासत स्थल। इस तरह की पहल का महत्व यह है कि वाराणसी को फोटो खिंचवाने वाले स्मारक के रूप में नहीं, बल्कि अनुभव की जाने वाली सभ्यता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस अंतर की जानकारी हमारी संपूर्ण पर्यटन रणनीति को दी जानी चाहिए। भारत को आकर्षण बेचने के बदले अनुभव संग्रहित करने की ओर बढऩा चाहिए। हवाई संपर्क भी इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एलायंस एयर, एयर इंडिया और इंडिगो के साथ साझेदारी अतुल्य भारत को यात्री इकोसिस्टम में विस्तार देती है, जिससे उड़ानों, डिजिटल प्लेटफार्मों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गंतव्य को बढ़ावा मिलता है। प्रौद्योगिकी एक और आयाम जोड़ती है: बुद्धिमत्ता। भविष्य की पर्यटन प्रणाली को तेजी से समझना होगा कि कौन यात्रा कर रहा है, यात्री क्या चाहते हैं, मांग कहां उभर रही है और प्राथमिकताएं कैसे बदल रही हैं। गूगल इंडिया के साथ सहयोग, जिसमें क्षमता निर्माण और वैश्विक यात्रा मांग व यात्री व्यवहार को समझने से जुड़े कार्य शामिल है, एक पर्यटन नीति की ओर इशारा करता है, जो उत्तरोत्तर अधिक साक्ष्य-आधारित बन सकती है। फिर भी सबसे परिणामी परिवर्तन पारंपरिक पर्यटन केंद्रों से बहुत दूर हो सकता है। यदि पर्यटन को वास्तव में समावेशी बनाना है, तो गाँव को पर्यटन नीति के लिए उतना ही महत्वपूर्ण बनाना होगा जितना कि महानगरीय प्रवेश द्वार। होमस्टे, होटल जैसा ही महत्वपूर्ण हो सकता है। कारीगर उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है जितना आकर्षण। स्थानीय उद्यमी बड़े संचालकों के समान ही महत्वपूर्ण बन सकते हैं। एयरबीएनबी, सोल ऑफ इंडिया और मेकमाईट्रिप की साझेदारियां अवसर के इसी लोकतंत्रीकरण की दिशा में प्रयास कर रही हैं – होमस्टे मेजबानों को डिजिटल क्षमताओं से लैस करना, कम-ज्ञात गंतव्यों को अधिक दृश्यता देना, अनजान गांवों को रचनाकारों और आरक्षण योग्य रहने की जगहों से जोडऩा। इसके पीछे एक गहरी सोच है: जब कोई स्थल किसी यात्री की कल्पना में बसता है, तो उससे पैदा होने वाले आर्थिक मौके उन लोगों की ज़िंदगी में भी आने चाहिए, जो उस स्थल को पहचान देते हैं। यही पर्यटन से होने वाले विकास की असली कसौटी है। सिफ़र् आने वाले पर्यटकों की संख्या ही सफलता का पैमाना नहीं हो सकती। हमें एक और ज़रूरी सवाल पूछना चाहिए: जब कोई स्थल सफल होता है, तो फ़ायदा किसे होता है? क्या कारीगर ज़्यादा कमाता है? क्या युवा को स्थानीय स्तर पर कोई अवसर मिलता है? क्या महिला उद्यमी को बाज़ार मिलता है? क्या समुदाय को अपनी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को बचाने का प्रोत्साहन मिलता है? क्या यात्री सिफ़र् एक फ़ोटो लेकर नहीं, बल्कि गहरी समझ लेकर वापस जाता है? अगर इन सवालों का जवाब 'हाँ' में है, तो पर्यटन सिफ़र् एक उद्योग नहीं रह जाता। यह सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सबके लिए आर्थिक विकास का ज़रिया बन जाता है। इस मामले में भारत की कम जानी-पहचानी जगहें एक बहुत बड़ा मौका देती हैं। तकनीक उन्हें युवा दर्शकों तक पहुँचा सकती है; आवाजाही की सुविधा से वहाँ पहुंचना आसान हो सकता है; निजी निवेश उचित अवसंरचना बना सकता है; और समुदाय की भागीदारी यह सुनिश्चित कर सकती है कि विकास पहचान की कीमत पर न होता हो। हिमालय में समुदाय के नेतृत्व वाले विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने वाली पहल – जिसमें मौखिक परंपराओं, शिल्प और स्थानीय ज्ञान का दस्तावेज़ीकरण शामिल है – यह दिखाती हैं कि पर्यटन कैसे संरक्षण का दुश्मन नहीं, बल्कि साथी बन सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

युजवेंद्र चहल ने किया खुलासा, क्यों रोहित शर्मा ने उन्हें विश्व कप 2023 टीम से किया था बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 2023 में घरेलू मैदान पर खेले गए वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चयन नहीं होने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। चहल के मुताबिक, उस समय भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया था कि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों को टीम में रखना चाहता था। इसके अलावा टीम एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल करने के पक्ष में थी। भारत के सबसे सफल सीमित ओवरों के स्पिनरों में शामिल चहल ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा से बातचीत में विश्व कप टीम से बाहर रहने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जब वह 2023 में काउंटी क्रिकेट खेलने गए थे, तब रोहित शर्मा ने उनसे टीम संयोजन को लेकर बात की थी। चहल ने कहा, "2023 में, जब मैं काउंटी क्रिकेट खेलने गया था, तब रोहित ने मुझे बताया था कि हम आठवें नंबर तक बल्लेबाज चाहते हैं, इसलिए हम उसी हिसाब से टीम बना रहे हैं। उन्होंने मुझे स्पष्ट रूप से बताया था कि वे विश्व कप के लिए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की भी तलाश कर रहे हैं। इसलिए मुझे यह बात साफ कर दी गई थी। विश्व कप के बाद मैंने चयन के बारे में सोचना ही बंद कर दिया।" 2024 टी20 विश्व कप टीम में मिली जगह, लेकिन खेलने का मौका नहीं चहल ने अगस्त 2023 के बाद कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला, लेकिन उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली। हालांकि, वह पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेंच पर ही बैठे रहे और उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद चहल ने आईपीएल 2024 में अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने बताया कि उस सत्र में उन्होंने खुद पर अतिरिक्त दबाव डालने के बजाय खेल का आनंद लेने पर ध्यान दिया। उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद रोहित शर्मा ने भी उन्हें टीम में शामिल करने की इच्छा जताई थी। चहल ने कहा, "आईपीएल 2024 में मैं सिर्फ खेल का आनंद लेने आया था और मैंने खुद पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं डाला। उस सत्र में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और रोहित ने मुझसे कहा कि वह मुझे टीम में चाहते हैं और हम चयन बैठक में इस पर विचार करेंगे।" चहल ने 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अब तक 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 96 विकेट लिए हैं।

एशियन पैरा खेल : तीरंदाजी दल को जापान में अनुभव का मिला मौका

एजेंसी, नई दिल्ली



एशियन पैरा खेल के लिए 168 सदस्यों (112 पुरुष, 56 महिला) वाले भारतीय दल को भारत सरकार से भरपूर समर्थन मिला है, ताकि टीम आइची-नागोया से शानदार सफलता के साथ वापस लौटे। टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर, घरेलू प्रशिक्षण, जरूरी उपकरण और विदेश में प्रशिक्षण जैसी कई सुविधाएं दी गई हैं। भारतीय पैरा बैडमिंटन और पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों के साथ-साथ नेत्रहीन फुटबॉल (ब्लाइंड फुटबॉल) की पुरुष टीम ने इस शुक्रवार को एशियन पैरा खेल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की। इस दल में शामिल 47 भारतीय एथलीट 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टॉप्स) का हिस्सा हैं, 33 'खेलो इंडिया एथलीट' हैं, और 61 खिलाड़ी पहली बार इन खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। इस दल को मुख्य रूप से 'एनुअल कैलेंडर फॉर ट्रेनिंग एंड कॉम्पिटिशन' (एसीटीसी) और टॉप्स के तहत सहायता प्रदान की गई है। एसीटीसी के तहत कुल 80.22 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि टॉप्स के तहत 18.34 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। 11 खेलों के एथलीटों की तैयारियों के लिए, अलग-अलग केंद्रों पर 'नेशनल कोचिंग कैंप' आयोजित किए गए। वहीं, पैरा-तीरंदाजी दल के लिए सितंबर और अक्टूबर के बीच जापान के कुरोबे आर्चरी सेंटर में एक अंतरराष्ट्रीय शिविर का आयोजन किया गया। घरेलू स्तर पर, पैरा-तीरंदाजों ने सोनीपत स्थित 'स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (साई) के क्षेत्रीय केंद्र में प्रशिक्षण लिया। इसी दौरान, पैरा-तैराकों और पैरा-पावरलिफ्टरों के लिए गांधीनगर स्थित साई क्षेत्रीय केंद्र में शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा, पैरा-एथलीटों ने सितंबर से अक्टूबर के बीच नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, साई सोनीपत और बेंगलुरु स्थित साई क्षेत्रीय केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में हिस्सा लिया।

जालंधर में दिखेगा पंजाब की हॉकी विरासत और 'हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी' का जोश एक साथ

- शहर में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक 'हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब' के लीग-स्टेज मैच खेले जाएंगे

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत के बहुत कम शहर ऐसे हैं, जिनका हॉकी के साथ जालंधर जैसा गहरा और पुराना रिश्ता है। यहां के गांवों से कई पीढ़ियों तक ओलंपियन खिलाड़ी निकले हैं। पंजाब 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक 'हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी' की मेजबानी करने जा रहा है। इस दौरान जालंधर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों की टीमों का स्वागत करेगा। इससे उस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी हो रही है, जिसने भारतीय हॉकी के सफर में एक अहम भूमिका निभाई है। बल्र्टन पार्क स्थित 'ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम' इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के दो वेन्यू (स्थानों) में से एक होगा। यहां 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक लीग-स्टेज के सभी मैच खेले जाएंगे। दूसरा वेन्यू मोहाली का 'ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम' होगा, जहां 4 और 5 नवंबर को सेमीफाइनल और मेडल मैच (पदक के लिए मुकाबले) आयोजित किए जाएंगे। लगभग 7,000 दर्शकों की क्षमता वाला जालंधर का यह स्टेडियम पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण हॉकी टूर्नामेंटों का गवाह रहा है और यह शहर की खेल पहचान से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे सुरजीत सिंह के नाम पर यह स्टेडियम देश के हॉकी इतिहास की एक महान हस्ती को सम्मान देता है। 1984 में स्थापित 'सुरजीत हॉकी सोसाइटी' ने इस विरासत को और मजबूत किया है।

'गर्व है' पहल से जुड़ी दिविजा पॉल ने राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जीता कांस्य

एजेंसी, नई दिल्ली । असम की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी दिविजा पॉल ने पंचकूला में छह से 13 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-13 बालिका वर्ग में कांस्य पदक जीता है। इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली दिविजा अदाणी स्पोर्ट्सलाइन की 'गर्व है' पहल से जुड़ी नई खिलाड़ी हैं। वह वर्तमान में भारत की अंडर-13 श्रेणी में नंबर एक रैंकिंग पर हैं। दिविजा की यह उपलब्धि फिलीपींस में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्यूर्टो प्रिंसेसा 2026 में अंडर-13 व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने के बाद आई है। इससे पहले उन्होंने 2025 और 2026 में वडोदरा में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्रतियोगिताओं में भी अंडर-11 और अंडर-13 वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे। पंचकूला दिविजा के लिए खास महत्व रखता है। वर्ष 2023 में इसी शहर में उन्होंने अंडर-11 वर्ग की राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीता था। दिविजा के मुताबिक, इसी सफलता ने उन्हें टेबल टेनिस में पेशेवर करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। असम के सिलचर में जन्मीं दिविजा ने छह वर्ष की उम्र में टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था। एक स्थानीय क्लब टूर्नामेंट में अपने चचेरे भाई को खेलते देखकर उनकी इस खेल में रुचि बढ़ी।

डेनमार्क ओपनः त्रीसा-गायत्री की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

एजेंसी, ओडेंस



भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त रेचल अलेस्स्या रोज और फेबी सेटियानिंगरम को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में कड़े मुकाबले के बाद नियंत्रण हासिल किया। दूसरे गेम में इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन त्रीसा और गायत्री ने संयम बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। त्रीसा ने पिछले कोर्ट से आक्रामक खेल दिखाया, जबकि गायत्री ने नेट पर मजबूती से मोर्चा संभाला। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआती संघर्ष के बाद अपनी रक्षापंक्ति को बेहतर किया और गलतियों पर अंकुश लगाते हुए पहला गेम 21-16 से जीता। दूसरे गेम में भी उन्होंने इसी लय को बरकरार रखा और 21-17 से जीत दर्ज की। त्रीसा और गायत्री ने राउंड ऑफ 32 में चीनी ताइपे की चेन यान फेई और हिसएह पेई शान को 22-20, 21-14 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मलेशिया की एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन तथा हांगकांग की न्गा टिंग युंग और पुई लाम युंग के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा।

बिजनेस

'कांदा एक्सप्रेस' 440 मीट्रिक टन प्याज लेकर 18 अक्टूबर तक पहुंचेगी अगरतला

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्र सरकार त्योहारी सीजन में प्याज की उपलब्धता को बाजार में बढ़ाने और किफायती दाम सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लगभग 440 मीट्रिक टन प्याज की पहली खेप पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए भेजी है, जो 18 अक्टूबर तक अगरतला पहुंचेगी। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि प्याज की उपलब्धता बढ़ाने और किफायती दाम सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत बफर प्याज के वितरण का विस्तार कर रहा है। इसी क्रम में पहली बार कांदा एक्सप्रेस के जरिए त्रिपुरा के अगरतला के लिए ये प्याज भेजा जा रहा है। लगभग 440 मीट्रिक टन प्याज से भरी यह खेप 18 अक्टूबर तक अगरतला पहुंचने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि त्रिपुरा में प्याज के वितरण को मजबूत करने के लिए कांदा एक्सप्रेस सेवा शुरू की जाएगी। इस पहल से त्रिपुरा के आठ जिलों में से 7 जिलों धलाई, दक्षिण त्रिपुरा, खोवाई, उनाकोटी, पश्चिम त्रिपुरा, गोमती और सेपाहिजाला में बाजार पहुंच बढ़ने की उम्मीद है। अब तक कांदा एक्सप्रेस की दो रेक (जिनमें क्रमशः 840 मीट्रिक टन और 452 मीट्रिक टन प्याज भरा गया था) और 44 ट्रकों (जिनमें कुल 1,513.46 मीट्रिक टन प्याज था) के माध्यम से पूर्वोत्तर में बफर प्याज की आपूर्ति की जा चुकी है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि असम, त्रिपुरा और नागालैंड के प्रमुख स्थानों, जिनमें कामरूप, गुवाहाटी, गोमती, दीमापुर, सेपाहिजाला, कोहिमा, निउलैंड और चुमौकेदिमा तक प्याज का वितरण भी हो चुका है। मंत्रालय ने कहा कि ताजा खरीफ की आवक से बाजार में उपलब्धता बढ़ी; मंडी में कीमतों में कमी आई है। मंत्रालय ने कहा कि खरीफ की नई फसल की आवक बढ़ने के साथ प्रमुख बाजारों में प्याज की थोक मंडी कीमतों में कमी आई है। अखिल भारतीय औसत मंडी कीमत सितंबर में लगभग 3,600 रुपये प्रति क्विंटल के उच्चतम स्तर से घटकर अक्टूबर में लगभग 3,300 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है। इसके अलावा 211 शहरों में प्याज की खुदरा कीमतों में कमी; क्षेत्रीय मूल्य अंतर में कमी आई है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि पिछले दो हफ्तों में 211 शहरों में खुदरा प्याज की कीमतों में एक से 13 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी दर्ज की गई है। ये कमी आंध्र प्रदेश, असम, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, गोवा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित प्रमुख उपभोक्ता राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में देखी गई है। मंत्रालय ने कहा कि असम में भी हाल के हफ्तों में खुदरा प्याज की कीमतों में कमी आई है। राज्य के लगभग 12 केंद्रों में प्रति किलोग्राम 1 से 8 रुपये तक की कमी दर्ज की गई है।

भारत का पारंपरिक ताड़ का 1.755 मीट्रिक टन गुड़ पाउडर बुल्गारिया के बाजार में पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत का पारंपरिक ताड़ का 1.755 मीट्रिक टन गुड़ का पाउडर तमिलनाडु से बुल्गारिया के बाजार में पहुंचा है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जैविक ताड़ के गुड़ के पाउडर के निर्यात में सहायता प्रदान की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 15 अक्टूबर को तमिलनाडु के इरोड जिले स्थित गोबिचेट्टीपलयम से बुल्गारिया के वर्ना के लिए 1.755 मीट्रिक टन एनपीओपी और यूरोपीय संघ द्वारा प्रमाणित जैविक ताड़ के गुड़ पाउडर (ताड़ के फूल का रस) की पहली निर्यात खेप को एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने 15 अक्टूबर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंत्रालय के मुताबिक 1.755 मीट्रिक टन जैविक गुड़ पाउडर का निर्यात की गई यह खेप भारत के ताड़ के पेड़ से बने पारंपरिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पेश करने और देश के जैविक निर्यात उत्पादों में विविधता लाने की दिशा में अहम कदम है।

गोल्ड ईटीएफ एफओएफ रोक- अब कहां पैसा लगाएं निवेशक, कहां मिलेगा बंपर रिटर्न?

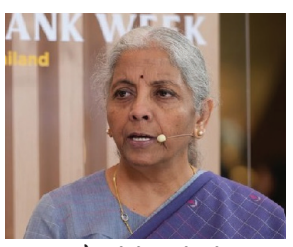
एजेंसी, नई दिल्ली



त्योहारी सीजन की शुरुआत होते ही म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) में नए निवेश पर आज से अस्थाई रोक लगा दी गई है। इस अस्थायी रोक ने निवेशकों, विशेषकर मध्यम वर्ग के बीच कई सवाल और चिंताएं खड़ी कर दी हैं। धनतेरस और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों से ठीक पहले आई इस पाबंदी का सीधा असर उन आम निवेशकों पर पड़ रहा है जो सोने की आसमान छूती कीमतों के बीच छोटे-छोटे निवेश के जरिए अपनी बचत को सुरक्षित करना चाह रहे थे। हालांकि, जानकारों का मानना है कि यदि इस पाबंदी के व्यावहारिक असर को समझें तो राहत की बात ये है कि जिन निवेशकों की मासिक एसआईपी पहले से ही इन योजनाओं में सक्रिय है और नियमित रूप से उनके बैंक खातों से किश्तें कट रही हैं, उन पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनकी पुरानी एक्टिव एसआईपी बिना किसी रुकावट के पहले की तरह ही चलती रहेगी। इस रोक का मुख्य असर उन लोगों पर होगा, जो इस त्योहारी सीजन में नया एकमुश्त निवेश करने या नए सिरे से एसआईपी रजिस्टर करने की योजना बना रहे थे। ये असर भी इसलिए होगा, क्योंकि आज से शुरू हुई अस्थाई रोक के कारण अगले आदेश तक फंड हाउस किसी भी नए आवेदन को स्वीकार नहीं करेंगे। इसके अलावा पहले से ही चालू एसआईपी में अब निवेश की राशि को बढ़ाने यानी टॉप-अप या स्टेप-अप करने की अनुमति भी नहीं होगी। इस पूरे घटनाक्रम के बीच गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड एफओएफ के तकनीकी अंतर को समझना आवश्यक हो जाता है, क्योंकि कई निवेशक इन दोनों को एक ही समझने की भूल कर बैठते हैं। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार गोल्ड ईटीएफ यानी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सीधे तौर पर हाजिर सोने (फिजिकल गोल्ड) के बाजार मूल्य से जुड़ा होता है। गोल्ड ईटीएफ को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट किया जाता है। इसमें निवेश करने के लिए निवेशकों के पास एक डीमैट अकाउंट और ट्रेडिंग अकाउंट होना जरूरी होता है, क्योंकि इसकी खरीद-बिक्री ठीक उसी तरह शेयर बाजार के ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर होती है जैसे किसी कंपनी के शेयरों की की जाती है। ट्रेडिंग सेशन के दौरान इसकी कीमतों में किसी भी कंपनी के शेयर की तरह ही आमतौर पर लगातार बदलाव होता रहता है और इसकी लिक्विडिटी पूरी तरह स्टॉक एक्सचेंज पर निर्भर करती है। दूसरी ओर, गोल्ड ईटीएफ एफओएफ यानी फंड ऑफ फंड्स एक ऐसी म्यूचुअल फंड योजना है, जो सीधे सोने में निवेश न करके, बाजार में पहले से मौजूद गोल्ड ईटीएफ योजनाओं के यूनिट्स में पैसा लगाती है। तकनीकी रूप से यह उन निवेशकों के लिए तैयार किया गया है, जो डीमैट अकाउंट की झंझट से बचना चाहते हैं।

वैश्विक व्यापार के हित में भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द पूरा किया जाएगाः सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि वैश्विक व्यापार और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के हित में भारत -अमेरिका व्यापार समझौता जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि सीतारमण ने बैंकॉक (थाईलैंड) में अयोजित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष-विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान (साउथ एशिया) के रेजिडेंट सीनियर फेलो माइकल कुगेलमैन के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, " दोनों देश के बीच बातचीत अभी चल रही है। मुझे उम्मीद है कि वैश्विक व्यापार और दोनों साझेदारों, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार के हित में, यह व्यापार समझौता जल्द से जल्द पूरा हो जाएगा।" सीतारमण ने कहा कि बीजिंग के साथ कई सालों की बातचीत के बावजूद, बढ़ता व्यापार असंतुलन और चीन में भारतीय उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच पर लगातार लगी पाबंदियां अभी भी बड़ी चिंता का विषय बनी हुई हैं। केंद्रयी वित्तमंत्री ने बताया कि भारत, तमाम मुश्किलों के बावजूद, अपनी विकास दर को बनाए रखने में कामयाब रहा है। वित्तमंत्री ने भारत की जीडीपी ग्रोथ पर कहा कि असल में कोविड के बाद पिछले चार-पांच सालों में हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था रहे हैं। ये प्रदर्शन उन प्रयासों के अनुरूप है जो हम लगातार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके मुख्य कारणों में 'समावेशी' होना शामिल है। सीतारमण ने कहा कि यह सुनिश्चित करना कि सभी को संसाधनों तक पहुंच मिले, युवाओं को कौशल विकास के अवसर मिलें, और इसके साथ ही यह भी ध्यान रखना कि इस प्रक्रिया में वित्तीय अनुशासन बना रहे। हम इस बात को लेकर सजग हैं कि सार्वजनिक धन के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।

केंद्र ने पेट्रोल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, डीजल पर घटाया

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर (शुक्रवार) से शुरू होने वाले पखवाड़े के लिए निर्यात होने वाले पेट्रोल पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है। वहीं, डीजल के निर्यात पर लगने वाले कर में कटौती की गई है। एटीएफ के निर्यात पर लगने वाला शुल्क 10.5 रुपये प्रति लीटर पर बरकरार रखा गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि इस पखवाड़े के लिए डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर को घटा दिया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क बढ़ाया गया है। वहीं, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर शुल्क को 10.5 रुपये प्रति लीटर पर बरकरार रखा गया है। मंत्रालय ने कहा कि शुल्क में ये बदलाव 16 अक्टूबर से लागू हो गए हैं। अधिसूचना के मुताबिक डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) और सड़क एवं बुनियादी ढांचा उपकर कुल मिलाकर अब ये शुल्क 8.5 रुपये प्रति लीटर लगेगा। पहले यह शुल्क 16 रुपये प्रति लीटर था। इसी तरह अगले पखवाड़े के लिए पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 0.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 2.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि कि शुल्क में बदलाव 16 अक्टूबर से लागू होंगे। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने 27 मार्च को डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसके बाद हर पखवाड़े इसकी दरों में संशोधन किया जाता रहा है।

गोल्ड ईटीएफ एफओएफ पर लगी अस्थाई रोक, निवेशकों को नोटिस भेज कर दी गई जानकारी

एजेंसी, नई दिल्ली



देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत में ही गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) पर अस्थायी तौर पर रोक लगा दी गई है। यह रोक आज से ही लागू हो गई है। मार्केट रेगुलेटर सेक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी)के निर्देशों के तहत देश के कई बड़े म्यूचुअल फंड हाउस ने यह कदम उठाया है। इसके संबंध में मौजूदा निवेशकों को नोटिस भेजकर जानकारी भी दे दी गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पाबंदी के बाद अब निवेशक इन म्यूचुअल फंड कंपनियों के गोल्ड ईटीएफ एफओएफ में नया एकमुश्त निवेश नहीं कर पाएंगे। इसके साथ ही इनमें नई एसआईपी की शुरुआत भी नहीं की जा सकेगी। इसके अलावा मौजूदा एसआईपी में निवेश की राशि को बढ़ाने यानी टॉप-अप या स्टेप-अप करने पर भी अस्थाई रोक लगा दी गई है। कुछ फंड हाउसेंज ने तो नए सिस्टेमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) के रजिस्ट्रेशन और स्विच-इन लेनदेन को भी फिलहाल रोक कर दिया है। गोल्ड ईटीएफ एफओएफ पर ये पाबंदी को लागू करने वाले प्रमुख म्यूचुअल फंडों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ, इनवेस्को इंडिया, डीएसपी, टाटा और श्रीराम म्यूचुअल फंड शामिल हैं। श्रीराम म्यूचुअल फंड ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के जरिए मिले सेबी के निर्देशों का हवाला देते हुए इस रोक की घोषणा की है। हालांकि इस अस्थाई रोक के पीछे की वजह का अभी खुलासा नहीं किया गया है। वहीं, डीएसपी म्यूचुअल फंड ने साफ किया है कि 15 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे के तय कट-ऑफ समय के बाद मिले सभी आवेदनों को खारिज किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में निवेशकों का पैसा उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा।

विनोद कापड़ी की फिल्म 'पायर का ट्रेलर जारी, बुजुर्ग दंपति के प्रेम और अकेलेपन की कहानी, 30 अक्टूबर को होगी रिलीज



राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक विनोद कापड़ी की आगामी फिल्म 'पायर का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। हिमालय की खूबसूरत वादियों में बसे एक दूरस्थ गांव की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म बुजुर्ग दंपति के प्रेम, अकेलेपन और जीवन के अंतिम पड़ाव में आने वाली चुनौतियों को दर्शाती है। फिल्म में नवोदित कलाकार पदम सिंह कापड़ी और हीरा देवी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। यह पारिवारिक नाटक 30 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगा। फिल्म का निर्माण भागीरथी फिल्म्स और मशकबीन स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है। इसके गीत प्रसिद्ध गीतकार गुलजार ने लिखे हैं, जबकि वितरण की जिम्मेदारी सिनेपोलिस को सौंपी गई है। 'पायर का ट्रेलर उत्तराखंड के एक दूरस्थ गांव में रहने वाले बुजुर्ग दंपति बुबू और तुलसी की जिंदगी की झलक दिखाता है। उनके बच्चे शहरों में जा चुके हैं, जिसके बाद दोनों को गांव में अकेलेपन और बुढ़ापे की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में उनके रोजमर्रा के जीवन, भावनात्मक जरूरतों और एक-दूसरे के प्रति गहरे लगाव को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है। कहानी यह दिखाने की कोशिश करती है कि जीवन के अंतिम पड़ाव में साथ, अपनापन और प्रेम किस तरह किसी व्यक्ति का सहारा बन सकते हैं। फिल्म की कहानी केवल दो बुजुर्गों के अकेलेपन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक परिवेश और गांवों से शहरों की ओर पलायन के प्रभावों को भी सामने लाती है। बच्चों के दूर चले जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता के जीवन में पैदा होने वाला खालीपन इसकी कहानी का प्रमुख पक्ष है। हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता और उत्तराखंड के ग्रामीण परिवेश के बीच बुनी गई यह कहानी पारिवारिक रिश्तों और मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखती है। पदम सिंह कापड़ी और हीरा देवी के अभिनय के माध्यम से बुबू और तुलसी के किरदारों को पर्दे पर जीवंत करने का प्रयास किया गया है। 'पायर को दुनियाभर के फिल्म समारोहों में सराहना मिल चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अब तक 18 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी है। इसके बाद अब इसे भारतीय सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की तैयारी है। 30 अक्टूबर 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म से दर्शकों को एक ऐसी कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें प्रेम और अपनेपन के साथ बुढ़ापे की चुनौतियों को भी प्रमुखता दी गई है। फिल्म का ट्रेलर जारी होने के बाद अब दर्शकों की निगाहें इसके सिनेमाघर प्रदर्शन पर टिकी हैं।

जेलर 2 पर विद्या बालन बोलीं तड़का सबने लगाया पर असली जायका तो रजनीकांत ही हैं



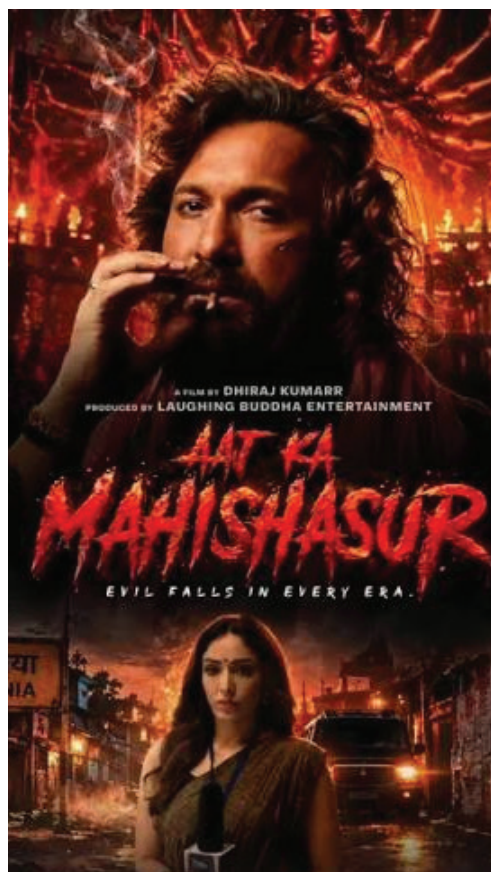
विद्या बालन हमेशा अपनी अलगग-अलग पटकथाओं और भूमिकाओं से दर्शकों को चौंकाती हैं। हिंदी सिनेमा में सफलता के बाद अब वो नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म जेलर 2 से एक बार फिर साउथ का रुख कर रही हैं। फिल्म में विद्या कांता का किरदार निभाएंगी, जिसकी पारिवारिक भावनाएं बेहद मजबूत हैं। भारतीय सिनेमा के थलाइवा रजनीकांत के साथ उन्होंने पहली बार स्क्रीन शेयर की है। हाल ही में विद्या ने अपनी इस फिल्म और किरदार पर खुलकर बात की। विद्या ने कहा, मैं जानती थी कि जेलर रजनीकांत की फिल्म है, क्योंकि मैंने ये फिल्म देखी है और मुझे यह बेहद पसंद आई थी। रजनीकांत की फिल्म तो रजनीकांत की ही होती है। मुझे खुशी है कि नेल्सन ने कांता जैसे दिलचस्प किरदार के लिए मुझे चुना। रजनी सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान और गर्व की बात है।

विद्या ने आगे इशारा किया कि फिल्म में दर्शकों के लिए बड़ा सरप्राइज क्या होगा। अपनी भूमिका पर बात करते हुए उन्होंने कहा, कांता मेरे लिए एक बेहद दिलचस्प किरदार है। वो अपने परिवार से बेइंतहा प्यार करती है और उनकी रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। जेलर यूनिवर्स में हर कोई अपना खास तड़का लगाता है, लेकिन असली पकवान तो हमेशा रजनीकांत ही होते हैं। जेलर 2 को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से यू/ए 16+ सर्टिफिकेट मिल गया है। फिल्म करीब 2 घंटे 45 मिनट की है। सीक्वल में राम्या कृष्णन, योगी बाबू और मिरना वापसी कर रहे हैं, वहीं एसजे सूर्या, सूरज वेंजरामूडू, मिथुन चक्रवर्ती, अन्ना राजन और जतिन सरना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 2023 की ब्लॉकबस्टर का हिस्सा रहे मोहनलाल और शिव राजकुमार इस सीक्वल में भी दिखाई देंगे। इसके साथ ही विजय सेतुपति भी फिल्म का हिस्सा हैं। साल 2023 में रिलीज हुई जेलर तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल रही, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए थे। उधर फिल्म में रजनीकांत ने भी अपने अंदाज से खूब वाहवाही लूटी थी। अब कलानिधि मारन के सन पिक्चर्स बैनर तले बनी इसका सीक्वल जेलर 2 भी तहलका मचाने के लिए तैयार है। यह धमाकेदार मल्टीस्टारर फिल्म 15 अक्टूबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

खोसला का घोसला 2 को मिली नई रिलीज तारीख, अब 5 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में आएगी, नया पोस्टर जारी

अभिनेता अनुपम खेर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'खोसला का घोसला 2 की रिलीज के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। पहले यह फिल्म 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन निर्माताओं ने अब इसकी नई रिलीज तारीख घोषित कर दी है। फिल्म 5 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म का नया और मजेदार पोस्टर भी जारी किया है। वर्ष 2006 में आई चर्चित फिल्म 'खोसला का घोसला के इस अगले भाग को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। नए पोस्टर में अनुपम खेर के साथ बोमन ईरानी, रणवीर शौरी, किरण जुनेजा, तारा शर्मा और परवीन डबास नजर आ रहे हैं। अभिनेता रवि किशन भी इस बार फिल्म में नए चेहरे के रूप में शामिल हुए हैं। निर्माताओं ने सामाजिक माध्यमों पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, "सौदा पक्का।

टेरेंस लुईस दिखाएंगे अभिनय का हुनर, फिल्म आज का महिषासुर से सिनेमा में रखेंगे कदम, फिल्म का पहला पोस्टर जारी



मशहूर नृत्य निर्देशक टेरेंस लुईस अब अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म 'आज का महिषासुर का पहला पोस्टर सामाजिक माध्यमों पर जारी कर दिया गया है। सामाजिक विषयों और समकालीन रोमांच से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन धीरज कुमार ने किया है, जबकि गौरंग भास्कर इसके निर्माता हैं। फिल्म में टेरेंस लुईस के साथ पद्मिनी कोल्हापुरे, चंदन रॉय, आयशा ऐमान और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। चंदन रॉय को लोकप्रिय धारावाहिक 'पंचायत में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। फिल्म के माध्यम से टेरेंस बड़े पर्दे पर अपनी नई भूमिका में दर्शकों के सामने आएंगे। अपनी पहली फिल्म को लेकर उत्साहित टेरेंस लुईस सबसे पहले मुंबई के प्रसिद्ध मुंबा देवी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने फिल्म का पोस्टर मां के चरणों में अर्पित कर आशीर्वाद लिया। बड़े पर्दे पर अभिनय की शुरुआत करने जा रहे टेरेंस के लिए यह अवसर खास रहा। टेरेंस ने फिल्म की विषयवस्तु के बारे में बताया कि 'आज का महिषासुर महिषासुर की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़कर उन बुराइयों को उजागर करने का प्रयास करती है, जो हमारे आसपास और हमारे भीतर मौजूद हैं, लेकिन अक्सर उन पर ध्यान नहीं दिया जाता। सामाजिक विषयों और समकालीन रोमांच को जोड़ती यह फिल्म किन परिस्थितियों और मुद्दों को सामने लाएगी, इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता है। हालांकि, फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है। अब दर्शकों को इसके प्रदर्शन और कहानी से जुड़ी अन्य जानकारियों का इंतजार है।

गोविंदा और करिश्मा के बीच कोई रिश्ता होता तो जानकारी मिलती : सोमी अली



1990 के दशक के दौरान बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच रिश्ते को लेकर चर्चाएं भी हुई थीं, लेकिन उनके कथित अफेयर की कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया। इस मामले पर अब अभिनेत्री सोमी अली ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्होंने गोविंदा और करिश्मा कपूर के रिश्ते को लेकर कभी कोई अफवाह नहीं सुनी थी। एक बातचीत में सोमी अली ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में रहते हुए भी उन्हें गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच किसी प्रेम संबंध की जानकारी नहीं मिली। उन्होंने करिश्मा कपूर का जिक्र उनके लोकप्रिय उपनाम 'लोलो' और गोविंदा का जिक्र 'चिची' नाम से करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों के अफेयर की चर्चा एक बार भी नहीं सुनी। सोमी अली ने बातचीत के दौरान सलमान खान और करिश्मा कपूर की दोस्ती का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों कलाकारों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है और उनके बीच अच्छी दोस्ती रही है। इसके बावजूद उन्होंने कभी उनके कथित अफेयर की अफवाह भी नहीं सुनी। सोमी के मुताबिक, उस समय वह खुद भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें गोविंदा और करिश्मा के रिश्ते को लेकर कोई ऐसी जानकारी नहीं मिली थी, जिससे इन चर्चाओं की पुष्टि हो सके। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी की निजी जिंदगी या रिश्तों पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करतीं। उनके अनुसार, किसी व्यक्ति का किसी के साथ रिश्ते में रहने का फैसला उसकी व्यक्तिगत पसंद है। ऐसे मामलों में दूसरों को किसी के निर्णय पर सवाल उठाने या उसे सही-गलत ठहराने का अधिकार नहीं होना चाहिए। सोमी अली ने कहा कि वह उस दौर में फिल्म जगत में मौजूद थीं। यदि गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच वास्तव में कोई रिश्ता होता, तो संभव है कि उन्हें इसकी जानकारी मिलती। हालांकि, उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं सुनी थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय वह अपनी जिंदगी और अनुभवों को समझने में व्यस्त थीं। गोविंदा और करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। उनकी लोकप्रिय जोड़ी के कारण उनके निजी रिश्तों को लेकर अटकलें लगाई जाती रही थीं।

सोशल मीडिया को लेकर बदल गया हमारा नजरिया: अमिताभ बच्चन

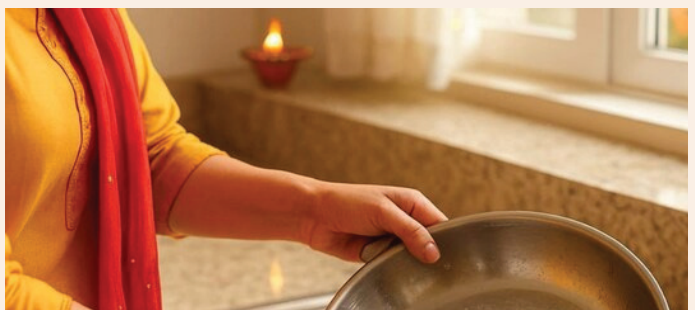


सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और नकारात्मक टिप्पणियों को लेकर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना अनुभव साझा किया है। महानायक ने बताया कि शुरुआत में वह सोशल मीडिया को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का माध्यम मानते थे, लेकिन पोस्ट पर आने वाली टिप्पणियां पढ़ने के बाद उनका नजरिया बदल गया। सोशल मीडिया पर अब वह पहले की तुलना में कम लिखते हैं। यह बात उन्होंने लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के दौरान कही। शो में पहुंचे प्रतियोगी विनम्र ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर आलोचना और नकारात्मकता का सामना कैसे करते हैं। विनम्र ने कहा कि उनकी पीढ़ी के कई लोगों के लिए आलोचनाओं को संभालना मुश्किल होता है। इस पर अमिताभ ने बताया कि सोशल मीडिया पर सक्रिय होने के शुरुआती दिनों में उन्हें लगता था कि यहां बिना किसी झिझक के दिल की बात कही जा सकती है। हालांकि, जब उन्होंने अपनी पोस्ट पर आने वाले कमेंट पढ़ने शुरू किए, तो उन्हें कई तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां देखने को मिलीं। अमिताभ ने कहा कि उनकी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोग उम्र और व्यक्तित्व को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते थे। इस तरह की टिप्पणियों को देखकर उन्हें अजीब लगता था। उन्होंने बताया कि लगातार ऐसी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखना कम कर दिया। अभिनेता ने अपने अनुभव को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा करते हुए कहा कि जब से उन्होंने कम लिखना शुरू किया है, उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ती चली गई है। अमिताभ की इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद दर्शक हंसने लगे। उनकी बात ने सोशल मीडिया के उस पहलू की ओर ध्यान खींचा, जहां किसी व्यक्ति को अपने विचार साझा करने की स्वतंत्रता तो मिलती है, लेकिन उसे अपमानजनक टिप्पणियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अमिताभ बच्चन लंबे समय से डिजिटल मंचों पर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में अपना व्यक्तिगत ब्लॉग लिखना शुरू किया था। इसके बाद वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़े रहे। वह समय-समय पर अपने काम, अनुभवों और विचारों से संबंधित पोस्ट साझा करते रहे हैं।

स्टील के बर्तनों से जिद्दी दाग हटाने के लिए अपनाएं ये तरीके

स्टील के बर्तन रसोई के लिए एक बेहतरीन विकल्प होते हैं क्योंकि इन्हें साफ करना आसान होता है और ये लंबे समय तक चलते हैं। हालांकि, इन पर जिद्दी दाग लगना आम बात है और इन्हें हटाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में जानेंगे, जिनसे आप अपने स्टील के बर्तनों को नए जैसा चमका सकते हैं। बेकिंग सोडा और पानी का घोल लगाएं

बेकिंग सोडा एक ऐसा सामग्री है, जो कई घरेलू कामों में इस्तेमाल होता है। आप इसे स्टील के बर्तनों पर लगे दागों को हटाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक पेस्ट तैयार करें, जिसमें बेकिंग सोडा और पानी मिलाकर गाढ़ा बनाया जाए। इस पेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें, फिर नरम स्पंज से रगड़कर पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएगा। सिरका और नमक का मिश्रण भी स्टील के बर्तनों की सफाई के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। इसके लिए एक कप सिरके में 2 चम्मच नमक मिलाएं और इसे



दाग वाली जगह पर डालकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज या ब्रश से रगड़ें। इससे दाग आसानी से हट जाएगा और आपका बर्तन नया जैसा दिखेगा। यह तरीका खासकर उन जगहों पर प्रभावी होता है, जहां दाग बहुत गहरा हो गया हो। नींबू का रस प्राकृतिक तौर पर खट्टा होता है, जो दागों को ढीला कर देता है। इसके लिए एक नींबू काटकर उसका रस दाग वाली जगह पर निचोड़ें और कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर गीले कपड़े या स्पंज से साफ करें। इससे आपका स्टील का बर्तन चमक उठेगा और सभी जिद्दी दाग आसानी से हट जाएंगे। यह तरीका न केवल असरदार है, बल्कि आपके बर्तनों को नया जैसा भी दिखाता है। गर्म पानी का उपयोग करके भी आप अपने स्टील के बर्तनों को साफ कर सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी भरें और उसमें थोड़ा सा डिटर्जेंट पाउडर मिलाएं, फिर इसमें दाग वाले बर्तन डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज से रगड़ें। इससे सभी गंदगी और चिकनाई आसानी से निकल जाएगी। इस तरीके से आपके बर्तन जल्दी साफ हो जाएंगे और वे नए जैसे दिखेंगे।

ऐसीटोन का इस्तेमाल करें

अगर ऊपर बताए गए तरीके काम न करें तो ऐसीटोन का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कपड़े पर थोड़ा एसिटोन लगाकर उसे दाग वाली जगह पर रगड़ें। इससे दाग तुरंत हट जाएगा और आपका स्टील का बर्तन नया जैसा दिखेगा। इन सभी घरेलू तरीकों को अपनाकर आप अपने स्टील के बर्तनों को आसानी से साफ रख सकते हैं और वे लंबे समय तक टिके रहेंगे।

BRIFF NEWS

Can't write off AT-1 bonds of Yes Bank worth Rs 8.4k crore: SC



New Delhi, Agency: Supreme Court on Thursday upheld a Bombay high court order which quashed a decision of the Yes Bank administrator to write off additional tier 1 bonds worth Rs 8,415 crore in March 2020. A bench of Justices Dipankar Datta and Augustine George Masih said, "We see no reason to interfere with the impugned judgement. The appeals are dismissed."

"Putting the investors to such uncalled-for risk could have well been avoided. The purpose of the AT-1 bonds is imperative: it acts as a safety barrier to the bank from collapsing altogether. That purpose could have been served had RBI and Yes Bank acted in accordance with the terms of the Master Circular," the court said.

The bench said RBI was "a mere bystander", allowing the CET1 ratio of Yes Bank to drop to "an astonishing low of 0.6% while the business of Yes Bank was being carried out in a clandestine manner".

"It can't be denied material irregularities in functioning of Yes Bank were noticed much prior... However, to have the investors at the receiving end of the administrative lapses would be highly unfair," SC said. Media

NHAI warning prompts IGI T3 parking operator to lift FASTag curbs



New Delhi, Agency: The parking operator at Terminal 3 (T3) of Delhi airport has removed FASTag-based entry restrictions, bringing much-needed relief to passengers and visitors. The move came a day after Indian Highways Management Company Ltd (IHMCL), under NHAI, warned the acquiring bank associated with the parking facility of action after it emerged that the operator was using FASTag to regulate vehicle entry rather than solely for collecting parking fees.

NHAI had also temporarily suspended FASTag-based parking payments, citing the violation. In a post on X, NHAI said, "NHAI would like to inform you that the matter was taken up with the relevant stakeholders to address the inconvenience faced by commuters. Following the intervention of the concerned authorities, restrictions on vehicles with FASTag at Terminal 3 (T3) of Delhi airport have been removed."

With this, the earlier system has been restored. The parking operator had recently started diverting vehicles without FASTag to the multi-level parking facility, causing inconvenience to users. Vehicles entering this facility often get stuck in queues, exceeding the free parking period and forcing motorists to pay parking fees.

Stent safety concerns reach Centre after reports of complications with Indian-made devices in Sri Lanka



New Delhi, Agency: The Cabinet Secretariat has taken up concerns over the safety and quality of coronary stents with the Union health ministry after a Rajya Sabha MP sought intervention following reports of complications involving Indian-made devices in Sri Lanka. In an October 5 letter, Cabinet Secretary T V Somanathan acknowledged a representation from Rajya Sabha MP Dr Ajeet Madhavrao Gopchade, a medical doctor, said it had been forwarded to the department of health and family welfare for appropriate action and a reply.

Gopchade's September 28 representation cited media reports that Sri Lanka's regulator had directed the withdrawal of three models of Indian-manufactured drug-eluting stents over concerns including improper positioning, stent dislodgement, acute stent thrombosis and failure to expand properly. The reported issues were identified during an investigation by Sri Lanka's Medical Device Evaluation Committee, according to the letter. The MP cautioned that the reported concerns might not all ultimately be substantiated, but said they warranted scrutiny of existing safeguards for device performance, clinical appropriateness and the detection of complications after implantation.

The representation calls for more stringent pre-market testing of stents and delivery systems, including assessments of durability, deployment, expansion and dislodgement. It also seeks stronger clinical documentation to ensure stenting is performed only when medically indicated and alternatives are considered where appropriate.

A key recommendation is end-to-end traceability through batch and serial numbers for every implanted stent, allowing affected devices and patients to be identified quickly if a safety alert emerges. The MP has also sought stronger adverse-event reporting, particularly for stent thrombosis, migration, incomplete expansion, deformation and delivery-system complications. The representation further calls for a mechanism to swiftly review safety alerts, recalls and withdrawals issued by foreign regulators when the same or similar devices are marketed in India. Better patient follow-up and long-term safety data collection have also been proposed to detect emerging risks early.

Citing regulatory guidance from the US, the UK and Canada, Gopchade highlighted the importance of engineering and durability testing, clinical evidence, traceability and timely regulatory action when safety signals emerge.

HC bars fuel-run boats on Dal Lake pushes for cleaner alternatives



Srinagar, Agency: J&K high court directed authorities Thursday to ensure no fuel-powered motorboats, including motorised shikaras and jet skis, operate on Srinagar's Dal Lake in a move that would halt 166 such vessels.

The HC cited growing pollution for the curbs -- which came in the middle of the tourist season -- and directed govt to explore whether fuel-powered boats could be replaced with solar-powered or battery-run alternatives.

"This court is convinced that in modern times, when lake systems have become a growing concern for civilisation, steps are being taken to exclude activities which would cause pollution. It would be also important that whatever policy is framed is more reasonable while balancing tourism activities, pollution, as well as uniformity between the players involved," a division bench of Chief Justice Pushpendra Singh Bhati and Justice Rajesh Sekhri said.

The bench made it clear that the restrictions would apply with immediate effect. "In case any motorised boat is allowed to ply, it shall be held as contempt of today's order," the HC said.

Fuel boats used by the administration for emergency services, law and order, disaster management and rescue operations will be exempted from the order, the HC said. This came after additional advocate-general (AAG) Mohsin Qadri, appearing for govt, argued that such boats be spared. The order came on a batch of petitions by some owners of fuel-run boats who had moved the HC against the transport department's failure to renew their licences. They argued that the delay violated their fundamental rights to life and livelihood. During the hearing, AAG Qadri conceded that pollution was a problem and called for a balance between tourism and cleanliness of the lake.

SC's quota ruling hits opposition's 'appeasement politics': BJP:



New Delhi, Agency: BJP Thursday said the SC judgement holding that quota benefits cannot be claimed by converts was "historic", adding it is a "massive blow to the appeasement politics" of Congress and other opposition parties which have sought to provide reservation to Muslims on the basis of religion.

While upholding the Madras HC order that a person converting to Islam can't claim reservation under backward class category solely on the basis of conversion, SC also held that a person who professes a religion other than Hinduism, Sikhism or Buddhism cannot be considered a member of Scheduled Castes (SC).

BJP's Gaurav Bhatia lauded the "landmark" ruling, which is a boost to the party's long-held position that Muslims and Christians cannot claim rights accorded to Dalits because of their SC family background and that OBC reservation cannot be provided on the ground of religion.

Special summary revision of poll roll in 17 states



New Delhi, Agency: Election Commission Thursday ordered special summary revision (SSR) of electoral rolls in 17 states/Union territories (UT) - including the five states due for assembly elections early next year - with reference to Jan 1, 2027 as the qualifying date.

This is the first SSR exercise - which, unlike special intensive revision (SIR) that prepares electoral roll de novo, is a mere updation of the roll with no house-to-house visits by booth-level officers (BLOs) - to be undertaken after it was paused post-2024, on account of SIR that started with Bihar in June 2025 and has since covered 31 states/UTs in back-to-back phases. The third phase of SIR, covering 19 states/UTs, is still underway, with only a few states completed.

As per the SSR schedule announced for 17 states/UTs - Assam, Andaman & Nicobar, Bihar, Chhattisgarh, Goa, Gujarat, Kerala, Lakshadweep, MP, Manipur, Puducherry, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu, UP, Uttarakhand and West Bengal - rationalisation of polling stations will be completed by Nov 2.

Fees for professional courses can be hiked midstream only in exceptional cases: SC;



New Delhi, Agency: In a relief to students pursuing professional courses like engineering and medicine in private colleges who have to face a fee hike midstream, Supreme Court has held that any change in fee structure after admission can be allowed only in exceptional circumstances.

While appreciating the contribution of self-financing institutions to the education sector, a bench of Justices P S Narasimha and Alok Aradhe said there should be certainty regarding fees, and students must not be forced to pay more than that prescribed at the time of admission.

"For the overwhelming majority of households, the fee payable for a professional course constitutes a substantial part of the family's income and savings; it is not a matter of incidental expenditure. The parents make provisions for the fees... with the aspiration that their children will acquire better qualifications, secure better opportunities and build a future that may be better than their own. Many students and families also depend on educational loans to finance professional higher education," SC said, noting fees charged in professional courses are reported to be 711% higher than in general courses.

The court said it was a matter of good governance for the state and its regulatory bodies to create an ecosystem in which there was certainty about the financial obligation that students and their families need to undertake to acquire professional qualifications.

"Adverse variations in financial commitment, and the insecurities that it may create, will impact the student and the family, and, in the long run, have an adverse effect on the quality and character of the professionals in the making. We are of the opinion that it is not difficult to formulate a scheme through which such uncertainties can be avoided," it said.

SC quashed a 37% fee hike for BTech courses for the 2023-27 cohort at Dr BC Roy Engineering College in West Bengal.

'Suspension of cellular internet services needed in exigencies': MHA reply to SC notice



New Delhi, Agency: Continuing with its tough stand against protesters, the home ministry Thursday sought modification of Supreme Court's Oct 11 order for allowing "unhindered internet services" and said exigencies such as disturbance of public order required temporary suspension of cellular internet services, as was the case between 10 pm on Oct 9 to 10 pm on Oct 10 in a 4-km radius of Raisina Hill.

In an affidavit filed in response to a contempt of court notice, home secretary Govind Mohan justified Delhi Police's request for suspension of cellular internet services and said it was "found to be a proportionate measure, having regard to the magnitude of the situation and the need to prevent any disturbance of public order in the national capital". "The suspension was confined to cellular internet services and did not extend to non-cellular internet services or telecommunications services such as wi-fi and broadband," he said, emphasising that suspension of such services was considered a recognised measure to maintain public order in appropriate circumstances.

The home secretary, Delhi Police commissioner and DMRC chairperson tendered unconditional apology to the court through their affidavits before going on to explain why the steps were taken to prevent unlawful gathering at Jantar Mantar on Oct 10.

Though the affidavit conveyed an "unconditional apology" to the court for the "contempt" charge, it marked a defiant assertion of the Centre's legal competence and willingness to take strong measures to control "illegal" protests.Solicitor general Tushar Mehta told a bench of Chief Justice Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi that the "apology" was meant to meet a procedural requirement. "The law is well settled that whenever response is filed pursuant to contempt notice, first sentence we write is that we hereby tender an unconditional apology. And thereafter, we have explained how the contempt is not made out," he said.

"It is with reference to compliance of that law that in every affidavit, this is the first paragraph. Now, in media and social media, things are going on that govt has apologised and they want to say nothing," he complained.

CJI Kant said, "We have not read those media reports, nor are we taking cognisance of any such report." Justice Bagchi added, "We are neither taking cognisance of the media reports nor your unqualified apology. But by your submissions, it appears to be a qualified apology." Delhi Police commissioner Anurag Kumar said in his affidavit that permission for the CJP's Oct 10 protest at Jantar Manor was denied due to past experience of large-scale violence during its July 20 protests, inability of organisers to control supporters and the grave inconvenience caused to general public because of a string of protests from Oct 6-8 that choked central Delhi for days together.

Middle East conflict: India pushes for 'resolution through dialogue and diplomacy' at UNSC



New Delhi, Agency: India's Permanent Representative to the United Nations, Parvathaneni Harish, on Friday condemned attacks on commercial vessels and civilian infrastructure in the Middle East, warning that the escalating hostilities pose a serious threat to regional stability and the safety of Indian nationals.

Speaking at the UN Security Council's open debate on the Middle East, Harish said India had "very high stakes" in the safety, security and stability of the region, highlighting that around 10 million Indians live in Gulf Cooperation Council (GCC) countries and contribute to their economies. He called for restraint and de-escalation, expressing concern over attacks on civilian infrastructure that have resulted in casualties, including the death of Indian citizen Mohammed Yusuf Ali in Riyadh.

Delivered our National Statement at the #UNSC Open Debate on the Middle East. Made the following points:???? has high stakes in the region's security and stability, with 10 million Indians living in GCC countries. Called for restraint, immediate de-escalation, and resolution through dialogue and diplomacy.???? Strongly condemned attacks on civilian infrastructure, including Saudi airports, and conveyed solidarity with Saudi Arabia. ? We also condemned attacks on commercial shipping. Attacks on merchant vessels and seafarers are legally and morally indefensible, and freedom of navigation must be upheld under international law.?????? ???? India and Liberia launched a Group of Friends on Safety and Security of Shipping and Seafarers, with 23 member states joining us. PM @narendramodi proposed a "Seafarers Emergency Support Network" at the BRICS Summit.???? On Yemen: unwavering support for unity, sovereignty and territorial integrity.